आषाढ़ शुक्ल - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 338 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 06-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 केंद्र सरकार नीट के मुद्दे को जनता के भूलने का कर रही हैं इंतजार : गहलोत

6 अध्यात्म के आनंद ने बदला विराट कोहली को

फर्स्ट टेक

स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने

लंदन/भाषा। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर शुक्रवार को बकिंघम पैलेस में महाराजा चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के बाद आधिकारिक रूप से ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बन गए। ब्रिटेन के ऐतिहासिक आम चुनाव में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है। लेबर नेता स्टार्मर (61) अपनी पत्नी विक्टोरिया स्टार्मर के साथ राजमहल पहुंचे। निवर्तमान नेता ऋषि सुनक ने चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर ली है और उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को इतिहास की सबसे बुरी चुनावी हार का सामना करना पड़ा है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सतत क्षरण

वोटों के समीकरण से ही,
है कभी पराजय या जय है।
समृद्ध तंत्र का लोक पक्ष,
इससे खाता हरदम भय है।
सारे ही दल सत्तागामी,
जिनके अपने मानक तय है।
इस सारी उठापटक में बस,
मूल्यों का अविरल क्षय है।।

राष्ट्रपति ने 36 जांबाजों को वीरता पदक से सम्मानित किया

दस जांबाजों को कीर्ति चक्र तथा 26 को शौर्य चक्र प्रदान किये गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सशस्त्र बलों, केन्द्रीय पुलिस बलों और राज्य पुलिस बलों के सर्वोच्च बलिदान देने वाले 36 जांबाजों को बुधवार को यहां वीरता पदकों से सम्मानित किया, दस जांबाजों को कीर्ति चक्र तथा 26 को शौर्य चक्र प्रदान किये गये। सात कीर्ति चक्र और सात शौर्य चक्र मरणोपरांत दिये गये हैं।

कीर्ति चक्र से सम्मानित किये जाने वाले रणबांकुरों में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के निरीक्षक दिलीप कुमार दास , हैड कांस्टेबल राजकुमार यादव, सिपाही बबलू राभा, सिपाही शंभू राय शामिल हैं। इन सभी को यह सम्मान मरणोपरांत दिया गया। इसके अलावा राष्ट्रीय राइफल्स के सिपाही पवन कुमार और सेना मेडिकल कोर के कैप्टन अंशुमान सिंह तथा सेना की पैराशूट रेजिमेंट के हवलदार अब्दुल माजिद को भी मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

सेना की पैराशूट रेजिमेंट के मेजर दिग्विजय सिंह रावत , सिख रेजिमेंट के मेजर दीपेन्द्र विक्रम बेसनेट और महार रेजिमेंट के नायब सूबेदार पवन कुमार यादव को भी कीर्ति चक्र प्रदान किया गया।

जम्मू कश्मीर पुलिस के सिपाही सैफुल्ला कादरी , सेना के मेजर विकास भांभू , मेजर मुस्तफा बोहारा, राष्ट्रीय राइफल्स के राइफलमैन कुलभूषण मांता, राजपुताना राइफल्स के हवलदार विवेक सिंह ,असम राइफल्स के राइफलमैन आलोक राव और राष्ट्रीय राइफल्स के कैप्टन एम वी प्रांजल को मरणोपरांत शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

HI LIFE
EXHIBITION
Fashion | Style | Decor | Luxury
OVER 250+ OF THE FINEST DESIGNERS
6 & 7 JULY
THE LaLiT
ASHOK
BANGALORE
10 am - 8 pm | Valet Parking | Entry fee Rs.100

श्री ब्यावर संघ, बेंगलुरु
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बेंगलुरु
द्वारा आयोजित
बेंगलुरु एक्सपो एवं ट्रेड शो
(बी2बी - बी2सी)
6 और 7 जुलाई 2024
110+ स्टॉल
प्रस्तुत कर्ता
Micro Labs Ltd
सह प्रायोजक
Kushal's fashion jewellery
All Over India
अध्यक्षता
पदमचन्दजी बोहरा
अध्यक्ष, श्री ब्यावर संघ
उपहार प्रायोजक
MAYAN DIAMONDS
C.T. Street, Bengaluru
उद्घाटन:
6 जुलाई 2024, शनिवार - सुबह 9.30 बजे
CA संतोष जैन
छू लेंगे आसमां...
6 जुलाई 2024, शनिवार
शाम 4.00 बजे
हम होंगे कामयाब...
7 जुलाई 2024, रविवार
शाम 4.00 बजे
समय: प्रात: 9.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक
स्थल: महावीर धर्मशाला, वी.वी. पुरम
हर दो घंटे में लक्की ड्रॉ
उद्घाटनकर्ता:
दिलीपजी सुराणा (एम.डी. माइक्रो लैब्स लिमिटेड)
तेजराजजी गुलेच्छा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष: जीतो एपेक्स)
तनसुखराजजी गुलेच्छा (एम.डी. कुशल्स फैशन ज्वेलरी)
रतनजी श्रीश्रीमाल (एम.डी. मयन डायमंड)
दीप प्रज्वलन
बाबु भाई मेहता (चेयरमैन: स्वामित्व ग्रुप)
आर.पी. रविशंकरजी (कर्नाटक अध्यक्ष: आर्य वैश्य महासभा)
धीरेन्द्रजी सिंघी (संस्थापक: धीर साप्ताहिक)
अरविंदजी खिवेसरा (चेयरमैन)
अरविंदजी कोठारी (महासचिव)
श्री ब्यावर संघ, बेंगलुरु
विशिष्ट अतिथि:
गौतमजी सोलंकी (अध्यक्ष: समस्त मूर्तिपूजक महासंघ)
पुखराजजी मेहता (कर्नाटक अध्यक्ष: जैन कॉन्फ्रेंस)
पारसमलजी भंसाली (अध्यक्ष: तेरापंथी सभा)
बाबुलालजी रांका (एम.डी. रांका स्टील)
अशोकजी रांका (एम.डी. महेश पाईप्स)
कुमारपालजी सिसोदिया (प्रेरणा स्त्रोत - गोडवाड़ भवन)
रमेशजी धोका (अध्यक्ष: बी.ई.डी.ए)
प्रशांतजी सिंघी (मुख्य संपादक: धीर साप्ताहिक)
रविजी सिंघानिया (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष: मारवाड़ी युवा मंच)
त्रिशलाजी कोठारी (मार्गदर्शिका, मातृछाया)
सभी क्षेत्रों से फैशन, सुन्दरता और परम्परा की सबसे भव्य प्रदर्शनियों में से एक के गवाह बनिये। बेंगलुरु एक्सपो का नाम ही अपने आप में लक्जरी डिजाइन में अग्रणी स्थान रखता है, जिसमें प्रमुख जीवनशैली, आभूषण, गृह सज्जा, घरेलु सामान, डिजाइनर परिधान, कला, अवसर और दैनिक जीवन के विविध उत्पाद, सब एक ही छत के नीचे उपलब्ध।
आयोजन समिति
ललित डाकलिया, अध्यक्ष, 9844251261
विकास खटोड, उपाध्यक्ष, 9916250731
कुलदीप छाजेड़, सचिव, 9342397926
नमित कोठारी, कोषाध्यक्ष, 9845469966
नरेश बोहरा, सह सचिव, 9448571658
भरत कोठारी, सह कोषाध्यक्ष, 9945292223
तकनीकी टीम
महावीर गुगलिया, 9886441443
हर्ष कोठारी, 8073097951
बी 2 बी टीम
प्रतीक गादिया, 9945839622
अरिहंत छाजेड़, 9036827644
सुनील भंडारी, 7406019977
कुणाल मरलेचा, 9620617906
आप सभी का हार्दिक स्वागत है

।। कल्याणकारी जिनशासन को भावभीने नमन ।।
।। जीवन नैया के खेवनहार, सद्गुरुदेव आचार्य श्री बुद्धि-कीर्ति-कैलास-सुबोध-मनोहर-कल्याण-पद्मसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब को भावभीनी वंदना ।।
धार्मिक-सामाजिक क्रांति का शंखनाद
मैसूर में
विमल वर्षावास
पावन निश्रा
हजारों-लाखों लोगों के दिल में आत्मगौरव और धर्मरक्षा की अलख जगाने वाले, मिथ्या मान्यताओं के भंजक, जैन एकता के प्रबल पुरुषार्थी, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलक, धर्मरक्षक, क्रांतिकारी ओजस्वी प्रवचनकार,
आचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी महाराज साहब
जन-जन के धर्म-प्रेरक, उपकारी कल्याण-मित्र,
गणिवर्य श्री पद्मविमलसागरजी महाराज साहब
मुनि श्री निर्ग्रन्थविमलसागरजी महाराज
मुनि श्री तत्वविमलसागरजी महाराज | मुनि श्री वीरविमलसागरजी महाराज
मुनि श्री पुण्यविमलसागरजी महाराज | मुनि श्री तीर्थविमलसागरजी महाराज
मंगलमय वर्षावास-प्रवेश
आषाढ़ शुक्ल द्वितीया, 07 जुलाई 2024, रविवार
* अल्पाहार : प्रातः 7.30 बजे (महावीर विद्यालय, सिद्धार्था नगर, मैसूर)
* स्वागत यात्रा (सांबेला/सामैया) : प्रातः 9.00 बजे (स्थल : 290, सन्मार्ग, सिद्धार्था नगर, वैशाली कान्वेंट के सामने, मैसूर)
* स्वागत समारोह : प्रातः 10.00 बजे
आयोजन-मंडप एवं वर्षावास-प्रवेश के लाभार्थी
श्रीमती मथराबाई नेनमलजी एवं
श्रीमती कमलादेवी जवेरीलालजी लुंकड़ परिवार
मोकलसर, मैसूर
वर्षावास स्थल
श्री बुद्धि-वीर वाटिका/गुरु भवन,
शिक्षक सदन, रॉयल मार्ट के सामने, नजरबाद, मैसूर (कर्नाटक)
आयोजक-निवेदक
श्री जैन चेरिटेबल ट्रस्ट, मैसूर एवं कल्याण मित्र वर्षावास समिति, मैसूर

गुवाहाटी के कई इलाकों में भारी जलजमाव, बच्चा लापता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में लगातार बारिश और ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण सबसे बड़े शहर गुवाहाटी के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी जलजमाव की स्थिति देखी गयी।

शहर के ज्योति नगर इलाके में बृहस्पतिवार शाम को एक बच्चा कथित तौर पर नाले में गिरने के बाद से लापता है। शहर से पानी निकालने के लिए पंप लगा दिये गये हैं जबकि जिला प्रशासन ने आपात स्थिति में नागरिकों के लिए एक टोलफ्री नबंर भी जारी किया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बच्चा अपने पिता के साथ एक स्कूटर पर जा रहा था कि तभी वह फिसल कर नाले में गिर गया।

पिता और लापता बच्चे के अन्य रिश्तेदारों ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और प्रशासन कर्मियों के साथ मिलकर तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। एक अधिकारी ने बताया, बच्चे की तलाश जारी है। खुदाई की एक मशीन भी लगायी गयी है लेकिन फिलहार कोई सफलता नहीं मिली है। शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, लगातार बारिश की वजह से ब्रह्मपुत्र का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। इस कारण भरलू स्लुइस गेट को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके प्रतिकूल प्रभाव गुवाहाटी शहर में कई नालों के पानी के बहाव पर पड़ा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे ब्रह्मपुत्र का जलस्तर 49.85 मीटर था। फिलहाल इसमें कमी हो रही है। खतरे का स्तर 49.68 मीटर है।

सिंघल ने कहा, इस कारण शहर के कई हिस्सों में जलजमाव की स्थिति देखी गयी। इस समस्या को हल करने के लिए हमने भरलूमुख स्लुइस गेट में छह पंप लगाए हैं। सभी पंप पूरी क्षमता के साथ नालों में जमा पानी को निकालने का काम कर रहे हैं। कामरूप मेट्रोपॉलिटन प्रशासन ने आपात स्थिति में लोगों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किये हैं।

तेयुप राजाजीनगर ने अमावस्या पर किया जप, तप एवं स्वाध्याय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन दर्शन के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाणोत्सव के उपलक्ष्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी द्वारा इंगित प्रत्येक मासिक अमावस्या को जप, तप एवं स्वाध्याय की आठवीं मासिक कार्यशाला का विशेष आयोजन तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा में किया गया। उपासक राजमल बोहरा ने सामूहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण किया।

तत्पश्चात् स्वाध्याय करवाते हुए आचार्यश्री महाप्रज्ञजी द्वारा लिखित पुस्तक श्रमण महावीर से श्रमण भगवान महावीर स्वामी के बाल्यावस्था में संकल्प द्वारा अपने कर्मों की निर्जरा के बारे में बताया गया। उपासिका मंजू गन्ना ने आचार्यश्री महाप्रज्ञ द्वारा लिखित पुस्तक महावीर का पूर्ण जन्म के ग्यारहवें अध्याय 'रूपांतरण का प्रतिनिधि ऋषि' एवं प्रवक्ता उपासक महेंद्रकुमार दक ने बाहरवें अध्याय 'दो मिल्या तो दुख होए' के बारे में विस्तार से समझाया गया।

इस मौके पर सभा के पूर्व अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, तेयुप से निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना व नए अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया आदि अनेक जन उपस्थित थे।

भगवान महावीर 2550 निर्वाण कल्याणाक

2550 करोड नवकार मंत्र जाप समस्त जैन समाज के सहयोग से जैन युवा संगठन द्वारा

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन ने समस्त जैन समाज व विभिन्न संघ संस्था के सहयोग से भगवान महावीर स्वामी के 2550वें निर्वाण कल्याणक निमित्त आत्मशुद्धि, विश्वशांति एवं सर्व कल्याण के लिए 25.5 करोड़ नवकार महामंत्र का जाप 'नवकार करे भव पार 3.0' का आयोजन शहर में विराजित समस्त साधु साध्वियों के आशीर्वाद एवं प्रेरणा द्वारा आयोजित करने जा रहा है। अध्यक्ष महावीर मुणोत ने सभी साधु साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। मंत्री नीरज कटारिया ने इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। समन्वय समिति के चेयरमैन मुकेश बाबेल ने बताया कि यह जाप कार्यक्रम चातुर्मास प्रारंभ 20 जुलाई से शुरू होकर 1 नवंबर भगवान महावीर निर्वाण पर सम्पन्न होगा। उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत रोजाना हर परिवार को नवकार महामंत्र की 7 माला का जाप निरंतर 105 दिनों तक करना है। सहमंत्री जैन सुश्रुत चेलावत ने बताया कि चातुर्मासिक प्रवेश स्थल पर कूपन कार्ड को वितरित करेंगे। कोषाध्यक्ष संतोष डुंगरवाल ने बताया कि पूर्णाहुति पर कूपन कार्ड 1-2 नवंबर के बीच वापस जमा करवाने होंगे। संगठन के पदाधिकारियों ने शहर में विभिन्न धार्मिक स्थलों पर विराजित साधु साध्वियों के दर्शन कर जाप कार्यक्रम की जानकारी दी तथा दूसरों को प्रेरित करने का आह्वान किया।

मुंबई में एमवीए नेताओं की मुलाकात, 12 जुलाई को होने वाले विधान परिषद चुनावों की रणनीति पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधान परिषद की 11 सीट पर 12 जुलाई को होने वाले चुनाव के आलोक में गठबंधन की रणनीति पर चर्चा करने के लिए महाविकास आघाडी नेताओं ने यहां एक बैठक की। दक्षिण मुंबई स्थित वाईबी चव्हाण सेंटर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार के प्रमुख शरद पवार के कार्यालय में हुई बैठक में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे के प्रमुख उद्धव ठाकरे, कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण व बालासाहेब थोराट, कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले और राकांपा-शरदचंद्र पवार के नेता जयंत पाटिल शामिल हुए। बैठक में कांग्रेस नेता नसीम खान, शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे और संजय राउत के साथ-साथ राकांपा-शरदचंद्र पवार के नेता अनिल देशमुख, राजेश टोपे और रोहित पवार भी शामिल थे। गठबंधन सूत्रों ने बताया कि विस चुनावों के लिए संयुक्त घोषणापत्र पर चर्चा हुई। कांग्रेस ने विधान परिषद चुनावों के लिए प्रज्ञा सातव को मैदान में उतारा है, जबकि शिवसेना-यूबीटी ने मिलिंद नार्वेकर को उम्मीदवार बनाया है। राकांपा-शरदचंद्र पवार भारतीय शेतकरी कामगार पक्ष के जयंत पाटिल का समर्थन कर रही है।

धार्मिक-सामाजिक क्रांति का शंखनाद है वर्षावास : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

चातुर्मास निमंत्रण-पत्रिका का हुआ लेखन मुहूर्त, चातुर्मास प्रवेश कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी आदि सात श्रमणों के मैसूर के वर्षावास की निमंत्रण पत्रिका का शुक्रवार को शुभ मुहूर्त में लेखन किया गया। मंगल मंत्रों और गीतों की मधुर स्वरलहरियों के साथ अलग-अलग संघों, संगठनों और मंदिरों को निमंत्रण पत्रिकाएं लिखी गयी। इस अवसर पर जैन समाज के लाभार्थियों के अतिरिक्त सीरवी समाज, राजपूत समाज, पुरोहित समाज, ब्राह्मण समाज और रैबारी समाज के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। वर्षावास समिति की ओर से कांतिलाल चौहान और अशोक दांतेवाडिया ने सबका स्वागत कर वर्षावास के समग्र कार्यक्रमों की जानकारी दी।

शहर में आचार्य विमलसागरसूरीश्वर के इस सर्वप्रथम वर्षावास को लेकर सभी समाजों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से करीब दो हजार से अधिक भक्तगण वर्षावास प्रवेश समारोह में भाग लेने मैसूर आ रहे हैं। यहां के किशोर वर्ग (टीन एजर्स)सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जोरदार तैयारियों में लगे हैं। प्रवचनों और कार्यक्रमों के आयोजनों के लिये नजरबाद स्थित शिक्षक सदन के मैदान में विशाल पंडाल तैयार किया जा रहा है। चेन्नई, बेंगलूरु, दावणगेरे, मुम्बई, सूरत, अहमदाबाद से बड़ी मात्रा में कार्यकर्ता शुक्रवार को मैसूर पहुंचे।

पत्रिका लेखन के मुहूर्त समारोह में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि हम धार्मिक-सामाजिक क्रांति का शंखनाद करने आये हैं। हमारा वर्षावास हर वर्ग की भलाई, धार्मिक-आध्यात्मिक विकास, अहिंसा और शाकाहार का प्रचार-प्रसार, बालकों के संस्कार-निर्माण तथा आपसी सद्भावना, व्यसन मुक्ति और मानवीय गुणों के जतन के लिये समर्पित है। संतों का आगमन वसंत जैसा होता है। साधु-संत बिना मौसम के भी अपने परिचय में आने वाले हर व्यक्ति के जीवन में वसंत की बहार ले आते हैं।

दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमतें 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंचीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हाल में भीषण गर्मी पड़ने से आपूर्ति कम होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी में टमाटर की खुदरा कीमतें बढ़कर 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं।

दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में फलों और सब्जियों की प्रमुख आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी अपने खुदरा बिक्री केंद्र 'सफल' पर 75 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से टमाटर बेच रही है। स्थानीय सब्जी विक्रेता 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से टमाटरों की बिक्री कर रहे हैं। मदर डेयरी के प्रवक्ता ने शुक्रवार को कहा, पहाड़ी इलाकों के प्रमुख टमाटर उत्पादक क्षेत्रों में हाल ही में भीषण गर्मी पड़ने से इस फसल की उपज प्रभावित हुई है। उपज कम होने से खुदरा बाजारों में टमाटर की आपूर्ति सीमित हो गई है और इसके बाद कीमतों में उछाल आया है।' ऑनलाइन मंच ओटिपी और ब्लिंकिट पर टमाटर की बिक्री 80 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर की जा रही है। स्थानीय विक्रेताओं ने टमाटर की ऊंची खुदरा कीमतों के लिए 50-60 रुपये प्रति किलोग्राम पर थोक कीमतों में तेज वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया है।

हालांकि, उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा संकलित आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में टमाटर की खुदरा कीमतें 55 रुपये प्रति किलोग्राम हैं। शुक्रवार को टमाटर का अखिल भारतीय औसत मूल्य 58.25 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। टमाटर की अधिकतम और न्यूनतम कीमतें क्रमशः 130 रुपये प्रति किलोग्राम और 20 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गईं।

नौसेना के गिरफ्तार दो अधिकारी वीजा गिरोह के सरगना थे : पुलिस

मुंबई/भाषा। कथित वीजा गिरोह मामले में गिरफ्तार नौसेना के दो अधिकारी अपराध के 'सरगना' थे। पुलिस ने शुक्रवार को अदालत में उनकी हिरासत अवधि बढ़ाने का अनुरोध करते हुए यह दावा किया। मजिस्ट्रेट अदालत ने दलीलें सुनने के बाद लेफ्टिनेंट कमांडर विपिन डागर और उप लेफ्टिनेंट ब्रह्म ज्योति की पुलिस हिरासत नौ जुलाई तक के लिए बढ़ा दी। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने दावा किया कि वे कथित तौर पर उस सिंडिकेट' का हिस्सा थे जिसने दक्षिण कोरिया में गैर कानूनी तरीके से काम करना चाह रहे भारतीयों की वीजा प्राप्त करने में मदद की।

नौसेना के दो अधिकारियों के अलावा सिमरन तेजी, रवि कुमार और दीपक मेहरा उर्फ डोगरा को मामले में आरोपी बनाया गया है और उन्हें पकड़ लिया गया है। पांचों आरोपियों की पूर्व की हिरासत अवधि समाप्त होने पर उन्हें अतिरिक्त मुख्य महानगर दंडाधिकारी (एडिशनल चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट)विनोद पाटिल की अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपियों की पुलिस हिरासत बढ़ाने का अनुरोध करते हुए अदालत से कहा कि नौसेना के दोनों अधिकारी गिरोह के सरगना थे।

आदित्य ठाकरे ने बीसीसीआई पर निशाना साधा, मुंबई से कभी भी विश्व कप फाइनल मत छीनना

मुंबई/भाषा। शिव सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि मुंबई में टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का भव्य स्वागत बीसीसीआई के लिए संदेश भी है कि देश की वित्तीय राजधानी से कभी भी किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल मैच मत छीनो। ऐसा लगता है कि ठाकरे की टिप्पणी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की आलोचना के लिए थी जिसने 2023 में आईसीसी वनडे विश्व कप की मेजबानी में इसका फाइनल मुंबई के बजाय अहमदाबाद को दिया था। भारत पिछले साल नंवबर में हुए विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गया था। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुंबई में कल का जश्न बीसीसीआई को कड़ा संदेश भी है कि मुंबई से कभी भी विश्व कप फाइनल मत छीनो। ठाकरे की यह टिप्पणी टी20 विश्व कप विजेता भारतीय टीम की मुंबई में विजय परेड' के एक दिन बाद आयी है जिसमें खिलाड़ियों के स्वागत के लिए जनसैलाब उबड़ पड़ा था।

अमावस्या महाप्रसादी के तहत हजारों जरूरतमंदों को कराया भोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। स्थानीय मैसूर बैंक सर्कल स्थित हनुमान मंदिर के प्रांगण में गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा आयोजित 75वीं महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें लगभग 4500 से भी अधिक जरूरतमंदों को भोजन का वितरण किया। इस महाप्रसादी में सेवा देने वाले समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, उपाध्यक्ष अशोकचंद कोठारी, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, महामंत्री उगमराज चोपड़ा, सहमंत्री महेंद्रकुमार मेहता, सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि महाप्रसादी का वितरण गत 75 मास से अमावस्या पर मैसूर बैंक सर्किल पर महाप्रसादी का वितरण किया जा रहा है।

अहम मैचों की मेजबानी के लिए बीसीसीआई एक शहर को दूसरे पर प्राथमिकता नहीं दे सकता: राजीव शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुम्बई/भाषा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे की प्रतिक्रिया के जवाब में कहा कि जब महत्वपूर्ण फाइनल के आयोजन की बात आती है तो बोर्ड एक शहर को दूसरे पर प्राथमिकता नहीं दे सकता। ठाकरे ने कहा कि मुंबई में टी20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम का भव्य स्वागत बीसीसीआई के लिए संदेश भी है कि देश की वित्तीय राजधानी से कभी भी किसी बड़े टूर्नामेंट का फाइनल मैच मत छीनो। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ठाकरे ने एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुंबई में कल का जश्न बीसीसीआई को कड़ा संदेश भी है कि मुंबई से कभी भी विश्व कप फाइनल मत छीनो। बीसीसीआई ने 2023 में आईसीसी वनडे विश्व कप की मेजबानी में इसका फाइनल मुंबई के बजाय अहमदाबाद को दिया था। भारत पिछले साल नवंबर में हुए विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गया था। शुक्ला ने कहा, कोलकाता में भी 1987 विश्व कप का फाइनल हो चुका है और कोलकाता को भारत में क्रिकेट का मक्का कहा जाता है। इसलिये यह फैसला नहीं किया जा सकता कि फाइनल एक विशेष शहर में ही होना चाहिए।

उन्होंने कहा, मुंबई में कई सेमीफाइनल और फाइनल हो चुके हैं। साथ ही अहमदाबाद मैदान में 1,30,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है तो हमें क्षमता भी देखनी पड़ती है। शुक्ला ने कहा, कोलकाता (ईडन गार्डन्स) की क्षमता काफी अधिक है जिसमें करीब 80,000 दर्शकों (66,000 के करीब) दर्शक आ सकते हैं। ऐसा अन्य शहरों में भी है। उन्होंने कहा, यह फैसला पूरे देश को और सभी स्टेडियमों को ध्यान में रखकर लिया जाता है। आप सिर्फ एक स्थल तक सीमित नहीं रह सकते। शुक्ला ने कहा, हम मुंबई के लोगों और उनके खिलाड़ियों के स्वागत के लिए इकट्ठा होने को देखकर काफी खुश थे। मुंबई हमेशा हमारी प्राथमिकता है। लेकिन पूरा बीसीसीआई फैसला करता है कि फाइनल कहां कराये जायें, सेमीफाइनल कहां हों। हर मैच अहम है। उन्होंने कहा, मुंबई हमेशा हमारी प्राथमिकता सूची में है। लेकिन यह कहना कि सभी फाइनल एक ही शहर में होने चाहिए। ऐसा किसी भी देश में नहीं होता।

रोहित शर्मा, सूर्य कुमार यादव को महाराष्ट्र विधानभवन में सम्मानित किया गया

मुंबई/भाषा। रोहित शर्मा सहित टी20 विश्वकप विजेता टीम के मुंबई में रहने वाले सदस्यों को शुक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मानित किया गया। केंद्रीय सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सूर्यकुमार भी मौजूद थे जिन्होंने टी20 विश्वकप फाइनल के मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहम कैच लिया था जिससे पूरे मैच का रुख बदल गया था। यादव जब समारोह में बोलने के लिए खड़े हुए तो वहां उपस्थित मंत्रियों और विधायकों ने एक स्वर में उनसे उस कैच के बारे में बताने को कहा।

सूर्यकुमार ने श्रोताओं की नारेबाजी के बीच मराठी में कहा, कैच बसला हातात (कैच सीधे मेरे हाथ में आ गया)।'' इसके बाद उन्होंने एक तरह से नाट्य रूपांतर किया और अपने हाथों से इशारा करते हुए बताया कि उन्होंने कैच कैसे लिया। सूर्यकुमार के संबोधन के बाद टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, सूर्य ने अभी बताया कि गेंद आकर उनके हाथ में बैठ' गई। यह अच्छा है कि गेंद उनके हाथ में बैठ गई नहीं तो मैं उन्हें बैठा' (टीम से बाहर कर) देता।

रोहित ने मराठी में कहा, भारत में दोबारा विश्वकप लाना सपना था। हमने इसके लिए 11 साल प्रतीक्षा की। 2013 में हमने आईसीसी चैम्पियनशिप ट्रॉफी जीती थी। उन्होंने कहा, मैं अपने

टीम के साथियों का शुक्रगुजार हूं, न केवल शिवम दुबे, सूर्य और यशस्वी जायसवाल बल्कि हर उस व्यक्ति का जिसने भारत की इस सफलता में योगदान दिया। मैं भाग्यशाली हूं कि ऐसी टीम है। प्रत्येक व्यक्ति ने मजबूत प्रयास किया। सभी ने इस पल के लिए मेहनत की। इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने आधिकारिक आवास पर रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव को सम्मानित किया था।

'अन्न भाग्य' योजना में 'बाधा डालने' के लिए क्या प्रधानमंत्री माफी मांगेंगे ? : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने पिछले साल कर्नाटक में ''अन्न भाग्य गारंटी'' को लागू करने के लिए पर्याप्त चावल बेचने से इनकार करने को लेकर शुक्रवार को मोदी सरकार पर ''प्रतिशोध की राजनीति'' का आरोप लगाया और कहा कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनी हुई राज्य सरकार को उसकी योजनाओं को लागू करने में बाधा डालने' के लिए वहां की जनता से माफी मांगेंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि अब ऐसे प्रमाण सामने आए हैं कि नरेन्द्र मोदी के प्रतिशोध से प्रेरित'' फैसले ने न केवल कर्नाटक के लोगों को अन्न भाग्य गारंटी' के माध्यम से पांच किलोग्राम अतिरिक्त चावल से वंचित कर दिया, बल्कि खाद्य सब्सिडी बिल में हजारों करोड़ रुपये की वृद्धि भी की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की ''प्रतिशोध की राजनीति'' ने भारत की संघीय प्रणाली को नष्ट कर दिया है और इसकी कीमत भारतीय करदाताओं को चुकानी पड़ी है।

रमेश ने एक बयान में कहा, 13 जून, 2023 को मोदी सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के कर्नाटक को एक दिन पहले जारी किए गए आदेशों को उलटते हुए 'ओपन मार्केट सेल' योजना (घरेलू) के तहत राज्य सरकारों को चावल बेचना बंद कर दिया। उन्होंने कहा, यह अतार्किक नीति कर्नाटक सरकार की अन्न भाग्य योजना को बाधित करने के एकमात्र इरादे से अपनाई गई थी, जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) के तहत अनाज के हकदार प्रत्येक व्यक्ति के लिए उपलब्ध चावल का कोटा दोगुना करती है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि क्या कर्नाटक सरकार की योजना में 'बाधा डालने' के लिए प्रधानमंत्री राज्य की जनता से माफी मांगेंगे?

आवासीय विद्यालयों के विकास पर जोर : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हालांकि आवासीय विद्यालय अन्य विद्यालयों की तुलना में गुणवत्ता में बेहतर हैं, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि आवासीय विद्यालयों को अधिक आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान किया जाएगा। वह शुक्रवार को चामराजपेट में मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय के औचक दौरे और एससीसीपी/टीएसपी राज्य विकास परिषद की बैठक के बाद छात्रों के साथ बातचीत के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। राज्य में 833 आवासीय विद्यालय हैं और सभी आवासीय विद्यालयों के लिए सुसज्जित भवनों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। हम सभी आश्रम विद्यालयों को आवासीय विद्यालयों में परिवर्तित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में छात्रों को मुफ्त भोजन और आवास उपलब्ध कराने के अलावा, वे अंग्रेजी, विज्ञान और गणित विषयों की कोचिंग भी प्रदान कर रहे हैं। चामराजपेट में एक सरकारी स्कूल पर को मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालय में बदल दिया गया। फिलहाल यहां 218 बच्चे हैं। इस मौके पर उन्होंने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा कि छात्रों के साथ उन्होंने जो खाना और सांभर खाया, वह अच्छा था।

रेणुकास्वामी हत्या मामला

कन्नड़ फिल्म निर्देशक मिलाना प्रकाश से पूछताछ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्या मामले में पुलिस ने शुक्रवार को कन्नड़ फिल्म निर्देशक मिलाना प्रकाश से पूछताछ की। इस मामले में अभिनेता दर्शन थुगुदीप, उनकी सह-कलाकार पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य न्यायिक हिरासत में हैं। रेणुकास्वामी की हत्या के तुरंत बाद दर्शन 'डेविल' नामक कन्नड़ फिल्म की शूटिंग के लिए चले गए थे।

पुलिस ने बसवेश्वर पुलिस थाने में प्रकाश और बेंगलूरु के पूर्व उप महापौर मोहन राज का बयान दर्ज किया। इस बीच दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी दर्शन ने बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि वह रिकॉर्ड में इस तथ्य को ठीक करें कि अभिनेता की पत्नी वह हैं, न कि पवित्रा गौड़ा।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा, शुरू में मीडिया को संबोधित करते समय आपने गलत तरीके से श्रीमती पवित्रा गौड़ा को दर्शन श्रीनिवास की पत्नी बता दिया था और इस तथ्य को कर्नाटक के गृह मंत्री और राष्ट्रीय मीडिया सहित सभी ने आगे बढ़ाया। विजयलक्ष्मी ने कहा कि वह 48 वर्षीय अभिनेता की वैध विवाहिता हैं। आठ जून को पवित्रा गौड़ा को कथित तौर पर अश्लील संदेश भेजने के कारण दर्शन के चित्रदुर्ग निवासी प्रशंसक रेणुकास्वामी की हत्या कर दी गई थी।

'एमयूडीए घोटाला' मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष का परिणाम : कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को दावा किया कि मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में 'कथित भूमि घोटाला' मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष का नतीजा है।

शिवकुमार का नाम लिए बिना कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से कहा, यह पुरानी खबर है। यह अब क्यों सामने आई है? एमयूडीए घोटाले की अब खूब चर्चा हो रही है। इसे किसने शुरू किया? जो व्यक्ति अगला मुख्यमंत्री बनने के लिए उत्सुक हैं और सिद्दरामैया को हटाने का इंतजार कर रहे हैं, उन्होंने इसे अंजाम दिया है।

जनता दल (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता कुमारस्वामी के आरोप का जवाब देते हुए शिवकुमार ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा, कुछ लोगों को मुझे याद किए बिना नींद नहीं आती और उनका दिमाग काम नहीं करता। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने दावा किया, इस खबर को केवल मुख्यमंत्री को बदनाम करने के लिए प्रमुखता दी गई ताकि उन्हें उनके पद से हटाया जा सके। उन्होंने आरोप लगाया कि वकीलों की एक टीम को काम पर रखकर और एमयूडीए से दस्तावेज निकालकर मुख्यमंत्री को पद से हटाने की साजिश कांग्रेस के भीतर रची गई है। भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की पत्नी पार्वती सहित जिनकी भूमि ली गई है, उनको एमयूडीए द्वारा वैकल्पिक भूखंड के आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि एमयूडीए की इस योजना में 4,000 करोड़ रुपये की अनियमितता की गई है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना की जमानत अर्जी पर एसआईटी दर्ज कराए आपत्ति : कर्नाटक उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को विशेष जांच दल (एसआईटी) को निर्देश दिया कि वह जनता दल सेक्युलर (जद-एस) के पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर अपनी आपत्ति दर्ज कराए। रेवन्ना पर कई महिलाओं से दुष्कर्म और उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप है और पूरे प्रकरण की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है।

न्यायमूर्ति कृष्णा एस. दीक्षित की एकल पीठ ने कहा, अदालत में आपत्ति दर्ज कराई जाए। विशेष अदालत ने 26 जून को रेवन्ना की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। वह इस समय न्यायिक हिरासत में हैं। रेवन्ना ने उनके खिलाफ दर्ज पहले मामले में जमानत के लिए अदालत का रुख किया है।

कुमारस्वामी ने जनता दर्शन को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को यहां अपने लोकसभा क्षेत्र में राज्य के अधिकारियों के बिना जनता दर्शन कार्यक्रम कार्यक्रम करने को लेकर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने मांड्या जाते समय मैसुरु जिला मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, राज्य सरकार मुझे मंड्या में जनता दर्शन नहीं करने दे रही।

कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें इसे रद्द करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कुमारस्वामी के आरोपों को खारिज कर दिया है।

सिद्दरामैया ने कहा, केवल मुख्यमंत्री और जिला प्रभारी मंत्री ही जनता दर्शन कर सकते हैं। यह कोई नया नियम नहीं है बल्कि कई साल से कायम है। उन्होंने कहा कि पिछली भाजपा सरकार ने भी आदेश पारित किया था कि नेता प्रतिपक्ष को भी समीक्षा बैठक आयोजित करने का अधिकार नहीं है। सिद्दरामैया ने कहा कि यह नियम कुमारस्वामी के लिए नहीं बनाया गया है बल्कि कई साल से अस्तित्व में है। कुमारस्वामी ने कहा, उसने (कांग्रेस) कहा है कि जनता दर्शन रद्द करो। उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुझे पता है कि इसमें किसका हाथ है।

केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री कुमारस्वामी ने कहा कि परिपत्र जारी करने के बावजूद कांग्रेस सरकार उन्हें लोगों से मिलने से नहीं रोक पाएगी। मंड्या में सूत्रों ने बताया कि जिला प्रभारी मंत्री एन. चेलुवरायास्वामी शनिवार को जनता दर्शन का आयोजन करेंगे।

पौधे लगाकर हरित भविष्य के निर्माण में योगदान दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'ग्रीन बेलगावी' परियोजना के तहत मराठा एलआईआरसी और रोटरी क्लब, बेलगावी ने संयुक्त पौधरोपण अभियान चलाया। इस कार्यक्रम में मराठा एलआईआरसी के कमांडेंट ब्रिगेडियर जॉयदीप मुखर्जी और रोटरी क्लब के जिला गवर्नर शरद पई ने शिरकत की।

इसमें बीके मॉडल हाई स्कूल के 50 स्कूली बच्चे, 65 सैन्यकर्मी और 13 रोटेरियन भी मौजूद थे, जिन्होंने हरित भविष्य के निर्माण में योगदान दिया। बताया गया कि इस अभियान का उद्देश्य संयुक्त प्रयास से 1,000 से ज्यादा पौधे लगाना है।

मराठा रेजिमेंटल सेंटर और रोटरी क्लब की इस संयुक्त पहल ने पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी के महत्त्व पर जोर दिया और लोगों को उल्लेखनीय प्रभाव डालने की दिशा में छोटे कदम उठाने के लिए भी प्रोत्साहित किया। बता दें कि भारतीय सेना पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को लगातार बढ़ावा दे रही है।

'एमयूडीए घोटाला विवाद' विवाद के बीच मैसूरु के उपायुक्त का तबादला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित भूमि घोटाले को लेकर विवाद के बीच शुक्रवार को मैसूरु के उपायुक्त के. वी. राजेंद्र का तबादला कर दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया था कि राजेंद्र ने एमयूडीए को लिखे कई पत्रों में कहा था कि जिन लोगों की जमीन ली गई है, उन्हें '50:50 अनुपात' योजना के तहत आवासीय परिसर बनाने के लिए किया गया वैकल्पिक स्थलों का आवंटन अनुचित था।

राजेंद्र उन 21 आईएएस अधिकारियों में शामिल हैं, जिनका सरकार ने तबादला किया है। उन्हें बेंगलुरु में पर्यटन निदेशक नियुक्त किया गया है। राजेंद्र की जगह जी लक्ष्मीकांत रेड्डी को मैसूरु का उपायुक्त नियुक्त किया गया है, जो फिलहाल कर्नाटक शहरी अवसंरचना विकास एवं वित्त निगम (केयूआईडीएफसी), बेंगलूरु के प्रबंध निदेशक हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अशोक ने आरोप लगाया था कि राजेंद्र ने वैकल्पिक स्थल आवंटित करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में भी विवरण मांगा था, लेकिन एमयूडीए ने जवाब देने की जहमत नहीं उठाई।

एमयूडीए ने जिन लोगों की जमीन अधिग्रहीत की थी, उनमें राज्य के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की पत्नी भी शामिल हैं। सिद्दरामैया ने इन लोगों को भूखंड आवंटित करने में हुई कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच कराने की भाजपा की मांग खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि इसमें कोई गड़बड़ी नहीं हुई। मैसुरु मुख्यमंत्री का गृह जिला है।

'जैन पुराण आचार्य चरित' पुस्तक का हुआ विमोचन

संस्कृति धरोहर का बनाए रखने के लिए धार्मिक साहित्य महत्वपूर्ण : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> "बोले गए प्रेरणादायक अंश वर्तमान समुदाय को प्रेरित करते हैं, लेकिन जब लिखित होते हैं, तो वे शब्द भविष्य की पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते हैं।"

बेंगलूरु। राज्य के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने अखिल भारतीय जैन फोरम द्वारा आयोजित एक समारोह में जैन पुराण भाग-3 आचार्य चरित्री पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर बोलते हुए थावरचन्द गहलोत ने कहा कि धार्मिक साहित्य धर्म, संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में धार्मिक सिद्धांतों, नैतिकता, समाज सेवा और ज्ञानोदय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई है। धार्मिक सेवाओं में बोले गए प्रेरणादायक अंश वर्तमान समुदाय को प्रेरित करते हैं, लेकिन जब लिखित होते हैं, तो वे शब्द भविष्य की पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते हैं। ऐसा माना जाता है कि वे लोगों को जीवन में सही रास्ता दिखाने के अलावा उनके मानवीय और आध्यात्मिक विकास में मदद करते हैं और हमारे चरित्र और सोच को दिशा देते हैं। समाज को संगठित रखने में धर्म महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धर्म किसी भी व्यक्ति को धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक रूप से प्रभावित करता है और समाज में एकता की भावना देता है। जैन दर्शन में 'अहिंसा परमो धर्म' का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा, जैन धर्म जीवित प्राणियों के प्रति दया सिखाता है।

पुस्तक पर टिप्पणी करते हुए राज्यपाल ने कहा, जैन पुराण भाग-3 सभी के लिए उपयोगी है। मैंने जैन पुराण भाग-1 और 2 को देखा और पढ़ा है, वे प्रेरणादायक और लाभकारी हैं। अंतिम भगवान महावीर स्वामीजी का धर्म संचालन जैन धर्म के चौबीस तीर्थंकर, वर्तमान में सक्रिय हैं। जैन धर्म के अंतिम तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामीजी के सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, नफरत से जियो और जीने दो के दिव्य संदेशों से विश्व शांति एवं विश्व कल्याण की स्थापना की जा सकती है। मैं जैन पुराण के संपादक व संपादकीय बोर्ड को बधाई देता हूं।

इस मौके पर शहर के जाने माने समाजसेवी कमल सिपानी, महेंद्र मुणोत, धर्मचंद बम्बकी, अखिल भारतीय जैन मंच के अध्यक्ष देवीलाल सखलेचा, सेवानिवृत्त विंग कमांडर डॉ. पी संखलेचा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एक निर्माण स्थल पर दुर्घटना के संबंध में ठेकेदार सहित तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में एक निर्माण स्थल पर हुई दुर्घटना के संबंध में तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि निर्माण कार्य के ठेकेदार वेणुगोपाल तथा दो अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मंगलूरु में एक निर्माण स्थल पर बुधवार को मिट्टी धंसने से मजदूर चंदन कुमार की मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। मंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल के अनुसार, घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच अभी जारी है। कर्नाटक भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने चंदन कुमार के परिवार को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। ठेकेदार ने भी मृतक के परिजनों को दो लाख रुपये का मुआवजा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि श्रमिकों के परिवारों को श्रम मुआवजा अधिनियम के तहत मुआवजा दिया जाएगा।

इसरो करेगा हैकाथॉन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के पास चंद्रयान-3 के 'विक्रम' लैंडर की सुरक्षित 'सॉफ्ट लैंडिंग' के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को मनाए जाने वाले पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारतीय अंतरिक्ष हैकाथॉन का आयोजन करेगा। विक्रम की लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की थी। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने हैकाथॉन की घोषणा करते हुए कहा कि इसमें देश के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्र हिस्सा ले सकते हैं। उनके अनुसार, एक टीम में तीन से चार छात्र होंगे जो नवीन समाधानों के साथ चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं। शुरू में, 100 टीम का चयन उनके समस्या समाधान दृष्टिकोण के आधार पर किया जाएगा और बाद में 13 तथा 14 अगस्त को एनआरएससी, हैदराबाद में 30 घंटे के ग्रैंड फिनाले' के लिए एक विशेषज्ञ समिति द्वारा इनमें से 30 टीम चुनी जाएंगी।

23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

विक्रम की लैंडिंग के बाद प्रधानमंत्री ने हर साल राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने की घोषणा की थी।

ज्ञापन

बेंगलूरु में शुक्रवार को महिला नागरिक मंच के सदस्यों ने कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत से मुलाकात की और पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ अन्याय और असभ्य व्यवहार की निंदा करने के लिए एक ज्ञापन भी दिया।

हडको लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
क्षेत्रीय कार्यालय – बेंगलूरु
ईमेल : bro@hudco.org

निविदा निरस्त करने संबंधी अधिसूचना

भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) ने बेंगलूरु में एनजीवी-कोरमंगला, नंदिनी लेआउट और आरएमवी एक्सटेंशन में अपने स्टाफ क्वार्टरों में नवीकरण कार्यों के लिए 25.06.2024 को निविदा आमंत्रित की थी, जिसे जमा कराने की अंतिम तिथि 23.07.2024 थी। यह सूचित किया जाता है कि उक्त निविदा निरस्त कर दी गई है।

वेबसाइट देखें : www.hudco.org और www.eprocure.gov.in

केंद्र सरकार नीट के मुद्दे को जनता के भूलने का कर रही हैं इंतजार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार पर राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट) के मुद्दे को जनता के भूलने का इंतजार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब जांच एजेंसियों ने मान लिया कि पेपर लीक हुआ है, एनटीए में अनियमितताएं हुईं हैं तो पहली परीक्षा रद्द कर दोबारा परीक्षा कराने में देरी क्यों की जा रही हैं।

गहलोत ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मोदी एवं उनकी सरकार पिछले 10 साल से हर जरूरी मुद्दे पर मौन साधकर उस मुद्दे के पब्लिक मेमोरी से गायब होने का इंतजार करती है। ऐसा ही ये अब नीट परीक्षा के मुद्दे पर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में भी इस मुद्दे को दबा सा दिया गया है। उन्होंने कहा हमारी सरकार के दौरान 26 लाख अभ्यर्थियों वाली रीट परीक्षा में अनियमितता सामने आने पर हमने पेपर रद्द कर दोबारा पेपर करवाया एवं 50 हजार बच्चों को नौकरी दी। अपनी गलती मानकर उसमें सुधार करना लोकतंत्र की खासियत है। क्या केन्द्र सरकार नीट परीक्षा के मामले में मेहनती विद्यार्थियों का हक मारना चाहती है एवं अपनी गलती छिपाने के लिए लाखों बच्चों की आशाओं को हमेशा के लिए खत्म कर रही है।

कोटा में खून से लथपथ महिला का शव मिला

कोटा (राजस्थान)/भाषा। राजस्थान के कोटा में शुक्रवार सुबह एक खाली भूखंड पर 45 वर्षीय महिला का खून में लथपथ शव मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि महिला की पहचान रानी वाल्मिकी के रूप में हुई है, जो कुन्हाड़ी थानांतर्गत छोटी पुलिया के निकट बालिटा रोड पर रहती थी। पुलिस ने कहा कि महिला के पति की करीब चार साल पहले मौत हो गई थी और वह अपने 'सहजीवन साथी' मुकेश के साथ रहती है, जो कूड़ा बीनने का काम करता है। महिला के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने उसके सहजीवन साथी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है, जो बृहस्पतिवार रात से फरार है। कुन्हाड़ी थाने के क्षेत्र निरीक्षक अरविंद भारद्वाज ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे रजत नगर में एक खाली भूखंड से खून से सना महिला का शव बरामद किया गया।

शिक्षा राष्ट्र का निर्माण करती है : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डीग/एजेन्सी। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा सतत चलने वाली प्रक्रिया है, यह ज्ञान प्राप्ति और सक्षम मानव शक्ति का सृजन ही नहीं करती बल्कि राष्ट्र का निर्माण करती है।

मिश्र शुक्रवार को डीग के कुम्हेर स्थित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में संबोधित रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालयों में कौशल से जोड़ने वाली शिक्षा प्रदान करने पर जोर देते हुये नई विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये कार्य किये जाने की आवश्यकता है।

मिश्र ने बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिये जाने पर जोर देते हुये कहा कि जहां बालिकायें शिक्षा प्राप्त करती हैं, वह समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में बालिका शिक्षा के अवसर प्रदान करने और बेटियों को स्वर्ण पदक में अव्वल रहने पर बधाई भी दी।

राज्यपाल ने नैनो मेडिकल के लिये विश्वविद्यालय के किये कार्यों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करे जो वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में हमें सक्षम बनायें।

मिश्र ने समारोह में वर्ष 2022 एवं 2023 के करीब 95 हजार स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्रों को उपाधि प्रदान की गयी। इनमें से 95 छात्रों को अच्छे अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण एवं रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के 31 छात्रों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गयी।

समारोह में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने राज्य में आयोजित हो रहे रोजगार उत्सव की चर्चा हुये कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के साथ कौशल विकास से भी निरंतर सम्पन्न कर रही है। उन्होंने उच्च शिक्षा में हो रहे नवाचारों के बारे में भी जानकारी दी।

राज्यपाल ने इससे पहले संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.रमेश चंद्रा विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राजस्थान को अपराध मुक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : बेढम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राज्य सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है, साइबर फ्रॉड एवं अपराधियों को कठोरता से निपटा जायेगा।

बेढम आज डबोक स्थित महाराणा प्रपात हवाईअड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। पेपर लीक गिरोह पर नकेल के लिये स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गयी है। ऑपरेशन एन्टी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिये भी कदम उठाये गये हैं।

इससे पूर्व बेढम एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सी पी जोशी के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर विभिन्न समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गुर्जर समाज के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया। उसके उपरांत बेढम ने निवानिया गांव में देवनारायण भगवान के दर्शन किये। विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा की। बेढम ने सांवलिया सेठ के दर्शन करके पूजा अर्चना की एवं प्रदेश की खुशहाली के लिये कामना की।

राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात से सात जिलों में असामान्य वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान में मानसून की अच्छी बरसात का दौर जारी है और अब तक प्रदेश के सात जिलों में असामान्य एवं दस जिलों में सामान्य से अधिक जबकि 18 जिलों में सामान्य वर्षा हो चुकी है। हालांकि अभी पन्द्रह जिलों में बारिश की कमी बनी हुई हैं।

जल संसाधन विभाग के अनुसार गत एक जून से पांच जुलाई तक प्रदेश में सामान्य वर्षा 71.70 के मुकाबले 72.44 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य वर्षा है। हालांकि गत वर्ष इस दौरान 165.73 मिलीमीटर हुई थी। इस बार प्रदेश में मानसून के आने के बाद बारिश का अच्छा दौर जारी है और अब तक अलवर, ब्यावर, भरतपुर, डीग, धौलपुर, दूदू एवं खैरथल-तिजारा जिलों में असामान्य वर्षा दर्ज की गई हैं।

इस दौरान भरतपुर संभाग के डीग जिले में सामान्य वर्षा 79.58 के मुकाबले 220.50 मिलीमीटर वर्षा हुई जो सामान्य से 177.07 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह धौलपुर में सामान्य वर्षा 85.91 के मुकाबले 212.43 मिलीमीटर बरसात हो चुकी है जो सामान्य से 147.26 प्रतिशत एवं जयपुर संभाग के दूदू जिले में सामान्य वर्षा 65.97 की जगह अब तक 167.17 मिलीमीटर बारिश हुई जो सामान्य से 120.04 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह अलवर, भरतपुर, ब्यावर एवं खैरथल-तिजारा जिले में भी अब तक असामान्य बरसात हो चुकी है।

प्रदेश में अब तक दस जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हो चुकी है जिनमें दौसा, जयपुर ग्रामीण, झुंझुनूं, केकड़ी, कोटा, कोटपुतली-बहरोड़, नीमकाथाना, राजसमंद, सीकर एवं टोंक जिला शामिल है। इसके अलावा 18 जिलों अजमेर, अनूपगढ़, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भीलवाड़ा,, बूंदी, चित्तौड़गढ़, चूरू, डीडवाना-कुचामन, डूंगरपुर, गंगानगर, गंगापुरसिटी, जयपुर, झालावाड़, जोधपुर, करौली, सवाईमाधोपुर एवं उदयपुर में अब तक सामान्य बरसात दर्ज की गई हैं।

हालांकि इस दौरान पन्द्रह जिले ऐसे हैं जहां अभी बरसात की कमी हैं जिनमें बालोतरा, बारां, बीकानेर, हनुमानगढ, जैसलमेर, जालोर, जोधपुर ग्रामीण, नागौर, पाली, फलौदी, प्रतापगढ़, सलूम्बर, शाहपुरा, सिरोही एवं सांचौर जिला शामिल है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष इस अवधि में 28 जिलों में असामान्य, 10 जिलों में सामान्य से अधिक एवं नौ जिलों में सामान्य वर्षा हुई जबकि केवल एक जिले में ही बरसात की रही।

इस बार मानसून के आने के बाद लगातार अच्छी बरसात होने से अब तक प्रदेश के पांच बांध पूरे भर चुके हैं जबकि 215 बांध आंशिक रुप से भरे हैं। हालांकि अभी 417 बांध खाली है। राजधानी जयपुर सहित कई क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति करने वाले टोंक जिले के बिसलपुर बांध का जलस्तर 309.69 आर एल मीटर पहुंच गया।

राजस्थान की आर्थिक प्रगति में जेम्स एवं ज्वैलरी का अहम योगदान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/एजेन्सी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुलाबी नगरी जयपुर को विश्व पटल पर रत्न आभूषणों के लिए विख्यात बताते हुए कहा है कि जेम्स एवं ज्वैलरी व्यापार राज्य की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा हैं, साथ ही यह रोजगार सृजन का भी मुख्य साधन हैं।

शर्मा शुक्रवार को ज्वैलरी एसोसिएशन द्वारा सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित जस-2024 के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने तथा उद्यमियों के लिए व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जयपुर में बनाए गए आभूषण दुनियाभर में अपनी खूबसूरती और शिल्प कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इसी वजह से राज्य सरकार द्वारा 'एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत जयपुर में रत्न एवं आभूषणों को चिह्नित किया गया है। जिसके तहत राज्य सरकार इस क्षेत्र को और अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न-आभूषणों की हिस्सेदारी 11 हजार 183 करोड़ रुपये की रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाया है। इससे आभूषण उद्योग और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर जेम्स एण्ड ज्वैलरी पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे एक लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारीगरों का प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं शोध में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे यह उद्यम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू सकें।

शर्मा ने कहा कि जयपुर के कारीगरों द्वारा बनाई गई जेम्स एवं ज्वैलरी को देश-विदेशों में अपनी एक अलग पहचान मिलती है क्योंकि जयपुर आभूषण उद्योग का हृदय है।

उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे इस उद्योग में लगे कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए और अधिक कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में आभूषण केवल सौंदर्य की वस्तु ही नहीं हैं बल्कि इसका सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व भी है। आमजन का जौहरी पर विश्वास रहता है जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की परिकल्पना के तहत अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को आगे लाने का काम कर रही है।

कन्हैयालाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी को उपचार के बाद पुनः भेजा जेल

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में अजमेर स्थित उच्च सुरक्षा कारागृह से उदयपुर के बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड के मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी की तबीयत खराब होने पर शुक्रवार को उसे यहां जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय लाया गया और प्राथमिक उपचार के बाद कड़ी सुरक्षा में पुनः जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रियाज अत्तारी को आंखों एवं पेट में तकलीफ की शिकायत के बाद कड़े सुरक्षा चक्र के बीच कारागृह से अस्पताल लाया गया। जहां सम्बन्धित चिकित्सकों ने परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि कोई गम्भीर तकलीफ सामने नहीं आई है। प्राथमिक उपचार के बाद रियाज अत्तारी को पुनः उच्च सुरक्षा कारागृह ले जाया गया।

इस दौरान सिविल लाइंस तथा कोतवाली थाना पुलिस का जाप्ता सुरक्षा में तैनात किया गया और अस्पताल को छावनी बना दिया गया। उल्लेखनीय है कि कन्हैयालाल हत्याकांड से जुड़े अन्य आरोपी भी अजमेर स्थित उच्च सुरक्षा कारागृह में बंद है।

अलवर रेलवे स्टेशन पर 20 करोड़ की लागत से होगा पुनर्विकास

अलवर/एजेन्सी। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अलवर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए 20 करोड 61 लाख रुपए की लागत से मास्टर प्लान तैयार किया गया है तथा चरणबद्ध तरीकों से इन कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर कृष्ण कुमार मीणा ने बताया की पुनर्विकसित अलवर स्टेशन पर नई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं तथा मौजूदा सुविधाओं के अपग्रेडेशन से यात्रियों को बेहतर और उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान की जाएगी। अलवर रेलवे स्टेशन पर प्रथम चरण में निम्नलिखित कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर द्वितीय प्रवेश द्वार के भवन का कार्य एवं द्वितीय प्रवेश द्वार के सर्कुलेटिंग एरिया एवं प्रमुख प्रवेश द्वार का 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है एवं स्टेशन पर प्लेटफॉर्म के जयपुर एंड पर प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) का 75 प्रतिशत व रेवाड़ी एंड पर प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) का 70 प्रतिशत कार्य कर लिया गया है एवं स्टेशन पर अन्य कार्य प्रगति पर हैं।

दो विश्वविद्यालयों के संचालकों और एक महिला को फर्जी डिग्री मामले में किया गया गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा विशेष अभियान दल (एसओजी) ने शुक्रवार को विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्री एवं खेल प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में दो विश्वविद्यालयों के संचालकों और एक महिला को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस एवं एसओजी) ने बताया कि इस संबंध में दर्ज मामले में शुक्रवार को महिला सहित तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि एसओजी में चूरू में ओपीजेएस विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रमों की फर्जी डिग्री एवं खेल प्रमाण पत्र जारी किये जाने की शिकायत की जांच की गयी और जांच के दौरान ही छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने एक बयान में बताया कि एसओजी ने शुक्रवार को ओपीजेएस विश्वविद्यालय के संचालक जोगेन्द्र सिंह (55), एम के विश्वविद्यालय पाटन (गुजरात) एवं अलवर के सनराइज विश्वविद्यालय के संचालक जितेंद्र यादव (38) और ओपीजेएस विश्वविद्यालय की पूर्व रजिस्ट्रार एवं चेयरपर्सन सरिता कडवासरा (50) को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया कि ओपीजेएस विश्वविद्यालय के संचालक जोगेन्द्र सिंह द्वारा बांरा के शाहबाद में वैदिक विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, इसी प्रकार सनराईज विश्वविद्यालय के संचालक जितेन्द्र यादव द्वार बूंदी के लाखेरी में जीत विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जितेन्द्र यादव ओपीजेएस विश्वविद्यालय में 2015 से 2020 तक रजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत रहा है। इसके साथ ही वह चूरू के रतनगढ़ में रिसोर्ट भी चलाता है। उन्होंने बताया कि इस मामले में ओपीजेएस विश्वविद्यालय में पूर्व में रजिस्ट्रार और चेयरपर्सन रही सरिता कडवासरा को गिरफ्तार किया गया है। वह 2013 से 2015 तक विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार एवं 2015 से 2020 तक चेयरपर्सन रही हैं।

डेयरी में भ्रष्टाचार व मिलावट की शिकायत पर होगी सख्त कार्रवाई : जोराराम कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य सरकार डेयरी व्यवसाय के माध्यम से किसानों, महिलाओं और युवाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के नेटवर्क का गांव-गांव तक विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डेयरी में भ्रष्टाचार अथवा मिलावट को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पशुपालन एवं डेयरी मंत्री गुरूवार को विधानसभा में राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन लिमिटेड के वर्ष 2018-19 से 2021-22 के वार्षिक प्रतिवेदनों पर विचार के उपरान्त अपना वक्तव्य दे रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार डेयरी के विकास और पशुपालकों को आर्थिक सशक्त बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार पशुपालकों के हित में बीमा योजना का दायरा बढ़ाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत सभी पशुओं का बीमा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा लायी गई पशु बीमा योजना विफल रही। कुमावत ने कहा कि पशु चिकित्सालयों में रिक्त पदों पर जल्दी ही भर्तियां की जाएंगी। साथ ही, न्यायालय में अटकी 900 पशु चिकित्सकों की भर्ती में भी प्रकरण का निस्तारण होने पर शीघ्र नियुक्तियां दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल करते हुए प्रदेशभर में 536 मोबाइल वेटरनरी युनिट की शुरूआत की है। इसके लिए शीघ्र ही एक कॉल सेंटर शुरू किया जाएगा, जिस पर कॉल करने पर मोबाइल वेटरनरी यूनिट उपचार के लिए पशुपालक के घर पर पहुंचेगी।

कुमावत ने राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फैडरेशन के पिछले वर्षों के टर्न ओवर और शुद्ध लाभ की जानकारी देते हुए बताया कि संघ निरन्तर मुनाफे में चल रहा है। दूध उत्पादन में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने बताया कि डेयरी के माध्यम से दूध संकलन में गुजरात और कर्नाटक के बाद राजस्थान तीसरे स्थान पर है। कुमावत ने कहा कि बेरोजगारी दूर करने, महिला सशक्तीकरण एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद समितियों का गठन कर 13 हजार से अधिक नये सदस्य जोड़े गए हैं।

सरपंच एक बार फिर आंदोलन की राह पर

जयपुर। वित्त आयोग और नरेगा सामग्री भुगतान की लंबित मांगों सहित करीब 14 मांगों को लेकर सरपंच फिर से आंदोलन की राह पर चलने के लिए तैयार हैं। राज्य सरकार के जल्दी मांगें नहीं मानने पर सरपंच 18 जुलाई को विधानसभा का घेराव करेंगे। सरपंच संघ राजस्थान के प्रवक्ता रफीक पठान ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल की अध्यक्षता में मांगों को लेकर जयपुर में सरपंचों की बैठक हुई। प्रदेशभर के सरपंचों ने मांगों को लेकर अपनी बात रखी। अफसरों से कई बार बातचीत के दौर के बाद भी समाधान नहीं निकला। प्रमुख मांगों में केन्द्रीय व राज्य वित्त आयोग की लंबित ग्रांट राशि, नरेगा सामग्री भुगतान, खाद्य सुरक्षा पोर्टल को लाभार्थियों के लिए पुन: खोलने, पीएम आवास योजना की बंद स्वीकृतियां शुरू करने सहित करीब 14 मांगों का मांगपत्र तैयार कर मुख्य सचिव सुधांश पंत को सौंपा गया है। सरपंचों की मांगों को लेकर आठ जुलाई को ग्राम पंचायतों में एक दिन की सांकेतिक तालाबंदी की जाएगी।

जेपी नड्डा से मिले किरोड़ीलाल मीणा, नहीं होगा इस्तीफा मंजूर!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और भजनलाल सरकार से इस्तीफा देने वाले केबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को यहां पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। माना जा रहा है कि इस दौरान मीणा ने नड्डा से अपनी बात विस्तार से रखी। गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा के इस्तीफे से पार्टी और सरकार दोनों असहज हैं।

भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद मीणा ने बताया कि उनकी सरकार या पार्टी संगठन से कोई शिकायत नहीं है। लेकिन मैंने सार्वजनिक रूप से आम जनता के बीच चुनाव के दौरान वादा किया था कि यदि लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार हुई। तो वह मंत्री पद छोड़ देंगे। मैंने बस अपना किया हुआ संकल्प पूरा किया है। क्योंकि यह मेरी साख का सवाल है। मीणा ने बताया कि वह दस दिन बाद फिर से दिल्ली आएंगे और पार्टी अध्यक्ष से मिलेंगे। इससे पहले कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा का प्रशासनिक कामकाज को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से विवाद हो गया था। जिसे बाद में सुलझा लिया गया।

नहीं होगा इस्तीफा मंजूर!

सूत्रों के अनुसार भाजपा नेतृत्व द्वारा किरोड़ीलाल मीणा को इस्तीफा वापस लेने के लिए राजी कर लिया जाएगा। इसके लिए दिल्ली सीएम भजनलाल शर्मा से भी बात करेगी। क्योंकि जल्द ही राजस्थान में पांच विधानसभा उप चुनाव होने वाले हैं। ऐसे समय यदि दिग्गज नेता किरोड़ीलाल मीणा का मंत्री पद से इस्तीफा हुआ तो इसका अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

पत्नी के वियोग में पति ने की आत्महत्या

कोटा। पत्नी के वियोग में रेलवे कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक पति ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता कर रही है। बताया जा रहा है कि पति और पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। मामला घर से निकलकर पुलिस थाने तक पहुंच गया था। इसके बाद पत्नी अपने पीहर चली गई थी। इसके बाद से पति परेशान रहता था। हैड कांस्टेबल महेन्द्र कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि नयागांव किशनपुरा तकिया में रहने वाले राधा किशन ने अपने घर पर फांसी का फंदा लगा लिया है। जिससे उसकी मौत हो गई। राधा किशन डिलीवरी का कार्य करता था। उसकी 14 साल पहले शादी हुई थी और शादी के बाद से पति-पत्नी के बीच सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था। उनके एक पुत्र है। मृतक के भाई ने जानकारी दी कि उसका भाई राधा किशन फूड डिलीवरी का कार्य करता था। उसकी पत्नी डेढ़ महीने पूर्व अपने पीहर चली गई। इसके बाद ही उसका भाई परेशान रहने लगा था। वह गुरुवार को घर पर ही था। तभी उसका भाई राधा किशन भी आ गया और सोने की कहकर कमरे में चला गया। इसके बाद करीब चार बजे सो कर उठा और सीधा भाई के कमरे में गया तो वह फंदे से लटक रहा था।

दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी और झामुमो विधायक कल्पना सोरेन के साथ शुक्रवार को रांची में प्राचीन बगुलामुखी मंदिर में दर्शन करते हुए।

मुरलीधर राव की जगह महेंद्र सिंह को मप्र का प्रभारी बनाया गया, सतीश उपाध्याय बने सह-प्रभारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महेन्द्र सिंह

सतीश उपाध्याय

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के बाद शुक्रवार को पार्टी संगठन के प्रदेश प्रभारियों व सह-प्रभारियों की नए सिरे से नियुक्ति की। वरिष्ठ नेता वी मुरलीधर राव की जगह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य महेन्द्र सिंह को मध्य प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय को मध्य प्रदेश का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। इस संगठनात्मक नियुक्ति में कोई ज्यादा फेरबदल नहीं किया गया है। कई राज्यों के प्रभारी पूर्ववत अपनी जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव प्रभारी नियुक्त किए गए कुछ नेताओं को अब राज्य का प्रभारी बना दिया गया है।

राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया को हरियाणा में पार्टी का संगठन प्रभारी बनाया गया है। इससे पहले, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विप्लब देब के पास यह जिम्मेदारी थी। लोकसभा चुनाव के दौरान पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी और सुरेंद्र सिंह नागर को सह प्रभारी बनाया गया था। नई नियुक्ति के हिसाब से पुनिया अब हरियाणा के संगठन प्रभारी और नागर सह प्रभारी होंगे। देब को पिछले दिनों हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनाव सह-प्रभारी बनाया गया था। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पास हरियाणा के चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी है। हरियाणा में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राधामोहन दास अग्रवाल कर्नाटक, विनोद तावड़े बिहार, तरुण चुघ जम्मू एवं कश्मीर, प्रकाश जावड़ेकर केरल और दुष्यंत गौतम उत्तराखंड के प्रभारी पद की जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। इसी प्रकार भाजपा नेता आशीष सूद गोवा, श्रीकांत शर्मा हिमाचल प्रदेश, लक्ष्मीकांत बाजपेयी झारखंड और विजयपाल सिंह तोमर ओडिशा के प्रभारी रहेंगे। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को पंजाब का जिम्मा सौंपा गया है। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन छत्तीसगढ़ के नए प्रभारी होंगे। इससे पहले वह छत्तीसगढ़ के सह-प्रभारी थे। भाजपा सांसद संबित पात्रा को पूर्वोत्तर राज्यों के समन्वयक के रूप में बरकरार रखा गया है। एक राज्य प्रभारी राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य नेतृत्व के बीच की कड़ी के रूप में काम करता है।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने मेकमाईट्रिप के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने शुक्रवार को कहा कि उसने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन यात्रा सेवा प्रदाता मेकमाईट्रिप के साथ साझेदारी की है। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत मेकमाईट्रिप राज्य सरकार के साथ एक रणनीतिक भागीदार के रूप में काम करेगी और उपभोक्ता प्रवृत्तियों, पर्यटकों की प्राथमिकताओं और आपूर्ति-पक्ष की जानकारी देगी। पर्यटन विभाग ने एक बयान में ये जानकारी देते हुए कहा कि इससे भविष्य की नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन और संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, ''उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और मेकमाईट्रिप इस क्षमता को साकार करने में भागीदार होगी।'' मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश मागो ने कहा, ''हमारा प्रयास उत्तर प्रदेश पर्यटन के साथ सहयोग करना है, ताकि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हमारे मंच के होटल और होमस्टे का लाभ उठाया जा सके।''

अगले साल से दीघा में रथ यात्रा निकाली जाएगी: ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को घोषणा की कि अगले साल से पुरी की तर्ज पर दीघा में भी रथ यात्रा आयोजित की जाएगी। पूर्वी मेदिनीपुर जिले के तटीय शहर दीघा में जगन्नाथ मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पुरी की तरह हम पश्चिम बंगाल में भी दीघा में भगवान जगन्नाथ के लिए एक गौरवपूर्ण मंदिर परिसर का निर्माण कर रहे हैं। यहां भी भगवान, बलभद्र और सुभद्रा की पूजा की जाएगी, रथ यात्रा भी निकाली जाएगी।

निर्माणाधीन मंदिर में इस वर्ष से ही रथ यात्रा आयोजित किए जाने की खबरों के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए उन्होंने कहा, कुछ अन्य चर्चाओं के बावजूद तथ्य यह है कि रथ यात्रा अगले वर्ष से दीघा में ही आयोजित की जाएगी। अभी कुछ कार्य और प्रक्रियाएं अधूरी हैं तथा अगले वर्ष से यात्रा शुरू होने से पहले उन्हें पूरा किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने कहा, दीघा की रथ यात्रा पूरे सम्मान और गंभीरता के साथ निकाली जाएगी। सभी वहां आमंत्रित हैं। भगवान का निवास दीघा भारत के लिए एकता का नया स्थान बने।

'आबकारी घोटाला': दिल्ली उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की जमानत याचिका पर सीबीआई से मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से शुक्रवार को जवाब मांगा। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जमानत याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 जुलाई की तारीख निर्धारित की।

केजरीवाल ने जमानत की मांग करते हुए दावा किया कि सीबीआई के मामले में उन्हें गिरफ्तार करने की कोई आवश्यकता नहीं थी और उनकी हिरासत अवैध है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख के भागने का खतरा नहीं है और न ही वह आतंकवादी हैं। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय के धन शोधन मामले में जमानत मिलने के बाद गिरफ्तार किया। सीबीआई की ओर से पेश वकील डीपी सिंह ने केजरीवाल की ओर से निचली अदालत में पहले जमानत याचिका दायर किये बगैर सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने पर आपत्ति जताई। उच्च न्यायालय ने आपत्ति पर गौर किया और कहा कि इस आपत्ति पर बहस के समय विचार किया जाएगा।

लोको पायलटों से मिले राहुल गांधी, रेलवे के 'निजीकरण' का मुद्दा उठाने का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को रेलगाड़ियां चलाने वाले लोको पायलटों से मुलाकात की और उन्हें विश्वास दिलाया कि वह रेलवे के 'निजीकरण' और भर्तियों की कमी का मुद्दा उठाएंगे। कांग्रेस के अनुसार, उसके पूर्व अध्यक्ष दोपहर के समय नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पूरे भारत के लगभग 50 लोको पायलटों से मिले। इस मुलाकात के दौरान लोको पायलटों ने बताया कि उन्हें आराम करने का पूरा समय नहीं मिलता। कांग्रेस ने इस मुलाकात का वीडियो एवं तस्वीर भी जारी की।

पार्टी के अनुसार, लोको पायलटों की शिकायत है कि वे लंबी दूरी की रेलगाड़ियां चलाते हैं और अक्सर पर्याप्त विराम के बिना उन्हें फिर ड्यूटी पर भेज दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे अत्यधिक तनाव होता है और एकाग्रता में कमी आती है जो दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है।

कांग्रेस ने कहा कि विशाखापत्तनम में दुर्घटना की हालिया जांच सहित कई रिपोर्ट में इस बात को रेलवे द्वारा स्वीकार किया गया है। पार्टी ने कहा, लोको पायलटों की मांग है कि उन्हें साप्ताह में 46 घंटे का आराम मिले। इसका मतलब यह है कि शुक्रवार दोपहर को घर लौटने वाला ट्रेन चालक रविवार की सुबह से पहले ड्यूटी पर लौट आएगा। रेलवे अधिनियम 1989 और अन्य नियमों में पहले से ही प्रति सप्ताह 30 जमा 16 घंटे आराम का प्रावधान है, जिसे लागू नहीं किया जा रहा है। हवाई जहाज के पायलटों को भी आम तौर पर इतनी ही छूट मिलती है। कांग्रेस का कहना है कि लोको पायलटों की यह भी मांग है कि लगातार दो रात की ड्यूटी के बाद एक रात का आराम होना चाहिए और ट्रेनों में चालकों के लिए बुनियादी सुविधाएं होनी चाहिए। राहुल गांधी और लोको पायलटों की इस मुलाकात के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि सरकार द्वारा लोको पायलटों की सभी भर्ती रोक देने के और कर्मचारियों की कमी के कारण (उन्हें) कम आराम मिल पात है।

कांग्रेस ने कहा, पिछले चार वर्ष में, रेलवे भर्ती बोर्ड ने हजारों रिक्तियों के बावजूद एक भी लोको पायलट की भर्ती नहीं की। लोकों पायलटों ने आशंका जताई कि यह जानबूझकर उठाया गया कदम मोदी सरकार की रेलवे का निजीकरण करने की योजना है। राहुल गांधी ने लोको पायलटों को बताया कि वह रेलवे के निजीकरण और भर्ती की कमी का मुद्दा लगातार उठाते रहे हैं।

कांग्रेस ने कहा, ''राहुल गांधी ने उनकी चिंताओं को सुना और पर्याप्त आराम की उनकी मांग का पूरा समर्थन किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे दुर्घटनाओं में काफी कमी आएगी। उनकी मांगों को सरकार के समक्ष उठाने का विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने वादा किया।''

मेरा बेटा खालिस्तान समर्थक नहीं, उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए : अमृतपाल की मां

चंडीगढ़/भाषा। जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक अमृतपाल सिंह की मां ने कहा है कि उनका बेटा खालिस्तान समर्थक नहीं है और उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए ताकि वह उन मुद्दों पर काम कर सकें जिनके आधार पर उन्होंने चुनाव जीता है। अमृतपाल ने शुक्रवार को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। इस बीच अमृतसर में सिंह के पैतृक गांव जल्लुपुर खेड़ा और खडूर साहिब संसदीय क्षेत्र में जश्न मनाया गया, जहां लोगों ने सिंह के शपथ ग्रहण के बाद मिठाइयां बांटी। सिंह और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल राशिद, जिन्हें लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए पैरोल दी गई थी, ने संसद परिसर में कड़ी सुरक्षा के बीच सांसद के रूप में शपथ ली। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में शपथ ली।

सरकार ने स्टेनलेस स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क किया अनिवार्य

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने स्टेनलेस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी और कहा यह कदम उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था। बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है। यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है। बीआईएस के अनुसार, आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो।

स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान शुक्रवार को ओडिशा के दौरे पर संबलपुर के कुचिंडा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए।

मेरे खिलाफ सबूत है तो मुझे गिरफ्तार करें : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार पर नीट प्रश्नपत्र लीक घोटाले के लिए उन्हें दोषी ठहराने का प्रयास करने की आलोचना की। यादव ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती दी कि अगर सबूत हैं तो उन्हें 'गिरफ्तार' करना चाहिए। यादव ने ये टिप्पणियां राजद के गठन के 28 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कीं। उन्होंने सरकार पर भ्रष्टाचार और अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, यह सरकार डबल इंजन होने का दावा करती है। एक इंजन भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है, दूसरा अपराध को बढ़ावा देता है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा, राज्य में हर मुद्दे का दोष तेजस्वी के सिर मढ़ा जा रहा है, चाहे वह पेपर लीक हो, पुल ढहने का मामला हो या हत्या का। अगर सरकार के पास मेरे खिलाफ कोई सबूत है, तो उन्हें आरोप लगाने के बजाय मुझे गिरफ्तार करना चाहिए।

राजग में शामिल जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने इस बात पर जोर दिया है कि प्रश्न पत्र लीक मामले के एक प्रमुख संदिग्ध के यादव के निजी सहयोगी के साथ घनिष्ठ संबंध थे। विपक्षी दल राजद ने राज्य के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अन्य प्रमुख संदिग्धों की तस्वीरें जारी करके जवाबी हमला किया है।

बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत 18 तक बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता की न्यायिक हिरासत 18 जुलाई तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश सुनाया। सीबीआई ने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को अप्रैल में तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था।

ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह तिहाड़ में बंद थीं। ईडी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद में बंजारा हिल्स स्थित आवास से गिरफ्तार किया था और वह इस मामले में न्यायिक हिरासत में थीं।

बंगाल के राज्यपाल ने विधायकों को शपथ दिलाने के कदम को 'संविधान का उल्लंघन' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर कहा कि विधानसभा अध्यक्ष द्वारा तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाना संविधान का ''उल्लंघन'' है। राजभवन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति को पत्र तब लिखा जब विधानसभाध्यक्ष बिमान बनर्जी ने टीएमसी के दो विधायकों को शपथ दिलाई, जबकि बोस ने इस काम के लिए विधानसभा के उपाध्यक्ष को अधिकृत किया था। राजभवन के अधिकारी ने बताया, राज्यपाल ने विधानसभाध्यक्ष के संवैधानिक रूप से अनुचित कदम के बारे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है। राज्यपाल ने अपने पत्र में यह भी कहा है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभाध्यक्ष द्वारा राज्य विधानसभा में दो विधायकों को शपथ दिलाना संविधान का उल्लंघन है। राजभवन और विधानसभा के बीच करीब एक महीने तक चले गतिरोध के बाद, दो विधायकों रयात हुसैन सरकार और सायंतिका बनर्जी को विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान शपथ दिलायी गई। हुसैन सरकार मुर्शिदाबाद जिले के भगवानगोला से विधायक हैं जबकि सायंतिका बनर्जी कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके बरानगर से विधायक हैं। गौरतलब है कि राज्यपाल ने हाल में हुए उपचुनाव में निर्वाचित दोनों विधायकों को राजभवन में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया था। संबंधित विधायकों ने हालांकि यह कहते हुए निमंत्रण अस्वीकार कर दिया कि परंपरा के अनुसार उपचुनाव जीतने वाले उम्मीदवार के मामले में राज्यपाल शपथ दिलाने के लिए विधानसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को नियुक्त करते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने 27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस के दो नवनिर्वाचित विधायकों के शपथग्रहण समारोह से संबंधित गतिरोध को हल करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने पीटीआई-भाषा' से कहा था, मैंने माननीय राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है ताकि वे राज्यपाल से बात कर इस गतिरोध को समाप्त कर सकें।

अगस्त में गिर सकती है मोदी सरकार : लालू

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने शुक्रवार को दावा किया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार 'कमजोर' है और अगले महीने की शुरुआत में 'गिर' सकती है। प्रसाद ने राजद के स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में यह दावा किया। पार्टी के 28 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लालू प्रसाद ने कहा, मोदी सरकार कमजोर है। यह कभी भी गिर सकती है। यह अगस्त में गिर सकती है। इस दौरान लालू के छोटे बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। प्रसाद ने पार्टी कार्यकर्ताओं से ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहने का आग्रह करते हुए कहा कि हाल के लोकसभा चुनावों में राजद ने पांच साल पहले की तुलना में अपनी सीटों की संख्या और वोट प्रतिशत में सुधार किया है। प्रसाद ने कहा, हम काफी समय से बिहार विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी रहे हैं। कई अन्य पार्टियों के विपरीत हमने कभी विचारधारा से समझौता नहीं किया।

टी20 विजय जुलूस : पानी की बोतलों और जूते-चप्पलों समेत कचरे को हटाने के लिए सात वाहन लगे

भारतीय क्रिकेट टीम की विजय परेड देखने के लिए मरीन ड्राइव पर उमड़ पड़े थे हजारों प्रशंसक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का उत्साहपूर्वक स्वागत करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित मरीन ड्राइव पर उमड़ी भारी भीड़ ने पानी की बोतलों और जूते-चप्पलों सहित ढेर सारा कचरा भी पीछे छोड़ दिया, जिसे बाद में नगर निगम ने सात वाहनों में भरकर हटाया। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने शुक्रवार को बताया कि विजय परेड के बाद बृहस्पतिवार और शुक्रवार की मध्य रात्रि तक सफाई अभियान चलाया गया।

बृहस्पतिवार की शाम भारतीय क्रिकेट टीम की विजय परेड देखने के लिए हजारों प्रशंसक दक्षिण मुंबई के मरीन ड्राइव पर उमड़ पड़े थे। यह परेड शाम करीब साढ़े सात बजे नरीमन पॉइंट से शुरू हुई और वानखेड़े स्टेडियम तक गई। वैसे तो इन दोनों जगहों के बीच की दूरी तय करने में आमतौर पर पांच मिनट लगते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में भीड़ होने की वजह से परेड को वानखेड़े स्टेडियम पहुंचने में डेढ़ घंटे से अधिक समय लगा। भीड़ ने अपने पीछे कूड़े के ढेर भी छोड़े और जूते-चप्पल व पानी की बोतलें सड़क पर बिखरी हुई देखी गईं।

बीएमसी ने एक बयान में कहा कि सड़कों से कूड़े के ढेर को हटाने के लिए सफाई अभियान चलाया गया। इसमें कहा गया है कि कुल कचरे में से जूते और चप्पलों को पांच जीप में एकत्र किया गया तथा अन्य कचरा उठाने के लिए दो ट्रक का भी इस्तेमाल किया गया। बयान में कहा गया कि सफाई अभियान बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ और शुक्रवार सुबह आठ बजे समाप्त हुआ। इसमें बीएमसी के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विभाग के 100 कर्मचारियों और कुछ गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

सुविचार

आत्मविश्वास कई प्रकार का होता है, धन का, बल का, ज्ञान का, लेकिन मूर्खता का आत्मविश्वास सर्वोपरि होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आतंकवाद पर प्रहार

कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद् के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाषण पढ़ते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद पर जिस तरह प्रहार किया, उसकी गूंज इस्लामाबाद से लेकर बीजिंग तक खूब सुनाई देगी। बेशक अब समय आ गया है कि आतंकवाद को पनाह देने वाले देशों को अलग-थलग किया जाए, उन्हें बेनकाब किया जाए। सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भलीभांति समझ गए होंगे कि भारत का संकेत किसकी ओर था! भारतीय प्रधानमंत्री के इन शब्दों को कोई नहीं नकार सकता कि 'हममें से कई लोगों के अपने अनुभव हैं, जो अक्सर हमारी सीमाओं से परे सामने आते हैं। यह बात स्पष्ट होनी चाहिए कि अगर आतंकवाद को बेलगाम छोड़ दिया गया तो यह क्षेत्रीय और वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन सकता है। किसी भी रूप या स्वरूप में आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता या माफ नहीं किया जा सकता।' पिछले एक दशक में आतंकवाद के प्रति भारत के रुख में खूब सख्ती आई है। एलओसी पर आतंकवादियों के खात्मे का सवाल हो या देश के किसी भी इलाके में उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने का मिशन, भारतीय सुरक्षा बलों व खुफिया एजेंसियों ने देश को अधिक सुरक्षित बनाया है। एक-डेढ़ दशक पहले तक टीवी चैनलों और अख़बारों में ऐसी 'चेतावनी' देखने/पढ़ने को मिलती थी, जिसमें लावारिस वस्तु को न छूने जैसी हिदायत दी जाती थी। आतंकवादी कुछ महीनों के अंतराल पर ऐसे बम धमाके करते रहते थे, जिनमें कई लोग जान गंवाते थे। अब ज्यादातर आतंकवादी एलओसी पर ही ढेर कर दिए जाते हैं। ज्यादा उन्नत तकनीक से उनके नेटवर्क का पता लगाने में आसानी हो गई है।

हालांकि अब भी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की दिशा में बहुत काम करने की जरूरत है। कश्मीर घाटी में आतंकवाद की कमर टूट गई है, लेकिन उसका पूरी तरह खात्मा नहीं हुआ है। सरहद पार बैठे आतंकवादियों के आका जानते हैं कि वे कश्मीर में ज्यादा समय तक दहशत का खेल नहीं खेल पाएंगे, लिहाजा वे भारत के दूसरे इलाकों में जड़ें जमाने की कोशिशें करेंगे। सुरक्षा बल इस चुनौती का सामना करने के लिए पहले ही से तैयार हैं। वास्तव में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। भारत को हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर चीन और पाकिस्तान को घेरना होगा, उन पर दबाव बनाना होगा। प्राय: यह प्रश्न पूछा जाता है कि ऐसे मंचों पर बोलने से क्या होगा, क्योंकि इससे रावलपिंडी व इस्लामाबाद आतंकवाद को बढ़ावा देना तो बंद नहीं करेंगे? भारत कई वर्षों से ऐसे मंचों पर पाक प्रायोजित आतंकवाद का मामला उठा रहा है। शुरुआत में इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन समय के साथ अन्य देशों को बात समझ में आने लगी, खासकर 9/11 की घटना और 2 मई, 2011 को लादेन के खात्मे के बाद दुनिया इस बात को समझ चुकी है कि पाकिस्तान आतंकवादियों की शरणस्थली है। पाकिस्तान के प्रति एफएटीएफ का रुख भी सख्त हुआ है। उसने उसे ग्रे लिस्ट में भी डाला था, जिसकी इस्लामाबाद ने बड़ी कीमत चुकाई। भारत को पाकिस्तान के खिलाफ और मजबूत सबूत जुटाकर इस लड़ाई को तेज करना होगा। अगर अगली बार पाक ब्लैक लिस्ट में चला जाए तो 'सोने पे सुहागा', वह ग्रे लिस्ट में जाए तो भी बेहतर है। पाकिस्तान में लोग निवेश करने से कतराने लगे हैं। बैंकों से भरोसा उठता जा रहा है। कई कंपनियां लगातार घाटे में चलने के कारण कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। रावलपिंडी व इस्लामाबाद को पता चल रहा है कि आतंकवाद को परवान चढ़ाना अब बहुत महंगा पड़ेगा। भारत को कई मोर्चों पर इस लड़ाई को जारी रखना होगा, जिसमें एलओसी के पार सैन्य कार्रवाई भी एक प्रमुख विकल्प है। जब तक (पाकिस्तानी) पंजाब से आने वाले सैन्य अधिकारियों व जवानों तक आंच नहीं पहुंचेगी, कश्मीर में पूरी तरह शांति नहीं होगी।

ट्वीटर टॉक

तो क्या अनंत काल तक कॉल-डेटा चार्ज एक ही रहे? किस दुनिया में रहते हैं ये लोग? दूध-फल-सब्जी का दाम बढ़े, पेट्रोल और संपत्ति का बढ़े, टावर मैंटनेंस का बढ़े, इन्हीं कंपनियों में काम करने वालों की सैलरी बढ़े, लेकिन कॉल-डेटा चार्ज न बढ़े! दुनिया में भारत से सस्ता डेटा कहाँ है?

- अजीत पंवार

महुआ मोइत्रा को अपने बयानों पर गहराई से सोचना चाहिए.. ऐसी टिप्पणियाँ घृणित हैं.. हम किसी को सीएम ममता दीदी के लिए छाता पकड़े हुए भी देख सकते हैं, लेकिन किसी को महुआ की तरह घृणित टिप्पणी नहीं करनी चाहिए.. उम्मीद है कि ममता दीदी (दाएं) महुआ पर कार्रवाई करेंगी और उन्हें बर्खास्त करेंगी!।

-सहजाद पूनावाला

प्रेरक प्रसंग

समस्या की वजह को खोजना चाहिए

एक आश्रम में गुरु अपने कुछ शिष्यों के साथ रहते थे। गुरु सभी शिष्यों को शास्त्रों का ज्ञान दे रहे थे। एक दिन एक शिष्य ने गुरु से कहा, 'मुझे कोई ऐसा उपाय बताइए, जिससे मुझे जल्दी से जल्दी सफलता मिल सके। ऐसा उपाय जिसकी मदद से हर समस्या हल हो सकती है।'

गुरु बहुत विद्वान थे। उन्होंने कहा, 'मैं एक तरीका बता दूंगा, जिससे तुम्हारी सारी समस्याएं दूर की जा सकती हैं। लेकिन, पहले तुम मेरी बकरी को खूंटे से बांध दो।'

गुरु ने अपनी बकरी की रस्सी शिष्य के हाथ में पकड़ा दी। बकरी किसी से भी आसानी से काबू में नहीं आती थी। शिष्य ने जैसे ही बकरी को खूंटे से बांधने लगा, वह उछल-कूद करने लगी। बहुत कोशिश करने के बाद भी बकरी काबू में नहीं आ रही थी।

शिष्य ने कुछ देर सोचा कि इसे कैसे काबू किया जाए। सोचने के बाद उसने बकरी को पकड़ा और उसके पैर रस्सी से बांध दिए। इसके बाद शिष्य ने बकरी को खूंटे से आरामा से बांध दिया। गुरु ये सब देख रहे थे। शिष्य की बुद्धिमानी देखकर गुरु प्रसन्न हो गए।

गुरु ने शिष्य से कहा, 'ठीक इसी तरह किसी भी समस्या की जड़ को पकड़ लेने से बड़ी से बड़ी समस्या बहुत ही आसानी से हल हो सकती है। यही सफलता का मूल मंत्र है।'

प्रसंग का संदेश

विपरीत परिस्थितियों में भी हमें बुद्धिमानी से ही काम करना चाहिए। धैर्य बनाए रखें और सोच-समझकर आगे बढ़ें। सबसे पहले समस्या की जड़ को समझें और फिर उसे हल करने की योजना बनाएं। तभी सफलता मिल सकती है।

सामयिक

अध्यात्म के आनंद ने बदला विराट कोहली को

आर. के. सिन्हा

अभी कुछ दिन पहले खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप क्रिकेट चैंपियनशिप के फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन और उसके बाद इस फॉर्मेट से सन्यास लेने के बाद सारा देश विराट कोहली की उपलब्धियों पर चर्चा कर रहा है। हालांकि, इस बहस के दौरान एक पक्ष नजरअंदाज सा हो रहा है कि कुछ साल पहले तक बात-बात पर आवेश में आने वाले विराट कोहली अब इतने शांत कैसे हो गये हैं? विराट कोहली की पर्सनेल्टी में आखिरकार इतना आमूल-चूल बदलाव कैसे आ गया? इस सकारात्मक बदलाव में मुझे उनका अध्यात्म की तरफ बढ़ना एक बड़ी वजह समझ आता है। वो आजकल लगातार सपरिवार विभिन्न तीर्थ स्थलों पर जाकर अच्छा सा वक्त बिताने लगे हैं। उन्हें वृंदावन जाना खास पसंद है। विराट कोहली वृंदावन में श्री परमानंद जी का आशीर्वाद लेने जाते हैं। वो पिछले साल जनवरी में भगवान कृष्ण की नगरी वृंदावन में अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ बाबा नीम करौली की समाधि के दर्शन करने के लिए गए थे। पहले दोनों बाबा नीम करौली की समाधि पर गए और फिर आनंदमयी आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने कई संतों से मुलाकात की। साथ ही दोनों ने बांके-बिहारी के मंदिर के साथ कई अन्य प्रमुख मंदिरों के भी दर्शन किए। वे ऋषिकेश में दयानंद गिरि आश्रम में भी जाते हैं। दयानंद गिरि आश्रम में विराट और उनकी पत्नी अनुष्का कई बार यात्रा कर चुके हैं। विराट और अनुष्का ने यहां पहुंचकर ब्रह्मलीन दयानंद सरस्वती की समाधि के भी दर्शन किए और गंगा घाट पर संत-पंडितों के साथ आरती में भी शामिल हुए। विराट कोहली ने यहां योग करने के बाद पूजा अर्चना की थी और फिर सार्वजनिक धार्मिक अनुष्ठान कर भंडारे का आयोजन करवाया था। स्वामी दयानंद गिरि का सितंबर, 2015 में निधन हो गया था। वो ऋषिकेश में दयानंद सरस्वती आश्रम और कोयंबटूर में अर्श विद्धा गुरुकुलम के शिक्षक थे। उन्होंने करीब 50 सालों तक देश और विदेश में वेदांत की शिक्षा दी थी। इस बीच, विराट कोहली अपनी पत्नी के साथ पिछले साल उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने सुबह चार बजे भस्म आरती की और भगवान का आशीर्वाद लिया। विराट कोहली ने आरती के बाद मंदिर के गर्भगृह में जाकर पंचामृत पूजन अभिषेक किया। विराट कोहली ने गले में रुद्राक्ष की माला भी धारण की। शायद ही विराट कोहली के कद का कोई अन्य खिलाड़ी इतनी तीर्थ यात्राएं करता हो।

एक समय था जब विराट कोहली की शख्सियत का एक श्याम पक्ष उनका मैदान के अंदर और बाहर बेहद उग्र और तपाकी होना भी था। वो फौरन आवेश में आकर झगड़ा करने लगते थे। उनका मैदान के भीतर भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी गौतम गंभीर से कई बार झगड़ा हुआ। विराट कोहली के गुस्से का शिकार आस्ट्रेलिया में एक पत्रकार भी हुआ था। विराट कोहली ने एक बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक मैच में अंपायर कुमार धर्मसेना को अपशब्द कहने शुरू कर दिए थे। धर्मसेना श्रीलंका के टेस्ट खिलाड़ी थे। उनके इस तरह के व्यवहार के कारण विराट कोहली की छवि बहुत खराब बन रही थी। पर अब वो अपनी उस खराब छवि को बहुत पीछे छोड़ चुके हैं। वो अपने क्रोध पर काबू पा चुके हैं। वो मैदान के अंदर-बाहर शांत रहते हैं। क्रोध का न होना मन को शांत रखने का सबसे प्रभावशाली उपाय है। क्रोध की उत्पत्ति केवल अधूरी इच्छाओं से होती है। जो इंसान दूसरों से कोई अपेक्षा नहीं रखता, वह अपने संगी-साथियों से नाराज नहीं हो सकता। विराट कोहली अध्यात्म के रास्ते पर चलने से विनम्र भी हुए हैं। वो बिशन सिंह बेदी के सार्वजनिक रूप से चरण स्पर्श करते थे। दिल्ली क्रिकेट के गढ़ फिरोजशाह कोटला मैदान में होने वाले कार्यक्रमों में विराट कोहली बेदी पाजी के चरण स्पर्श करते हुए कई बार देखे गए थे। आप बता दीजिए कि विराट कोहली के अलावा कितने खिलाड़ी गुजरे दौर के खिलाड़ियों के चरण स्पर्श करते हैं। तो बहुत साफ है कि उन्होंने अपने में सकारात्मक बदलाव किए। इससे वो एक बेहतर मनुष्य के रूप में सामने आए हैं। अपनी जीवनशैली को बदलते हुए विराट कोहली अब शाकाहारी भी हो चुके हैं। उनका शाकाहारी हो जाना आश्चर्यजनक है क्योंकि अधिकांश खिलाड़ी मांसाहारी और शाकाहारी खाद्य पदार्थों के मिश्रण को ही भोजन में पसंद करते हैं। विराट कोहली अपनी फिटनेस का श्रेय शाकाहारी भोजन को देते हैं। इसके अलावा, वो मुख्य रूप से उबले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, जिनमें किसी प्रकार के तेल का प्रयोग नहीं होता है। लेकिन, खास अवसरों पर वो जैतून के तेल में पकाए गई डिशेज को खा लेते हैं। टीम इंडिया के टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा विराट कोहली से भी बात की। प्रधानमंत्री मोदी ने विराट से कहा , ''आपसे बात करके खुशी हुई। आपने फाइनल में जिस तरह की पारी खेली, उसी तरह से भारतीय बल्लेबाजी को शानदार तरीके से आगे बढ़ाया है। आप हर फॉर्मेट में चमके हैं। टी20 क्रिकेट में आपकी कमी खलेगी। लेकिन मुझे यकीन है कि आप नई पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे।'' विराट कोहली आज सारे देश के रोल मॉडल बन चुके हैं। वो मात्र पैसे के लिए शीतल पेय या पान मसाला जैसे उत्पादों का विज्ञापन स्वीकार नहीं करते। उनसे हमारे कई फिल्मी सितारे सीख ले सकते हैं। वो अपनी फिटनेस पर भरपूर ध्यान देते हैं। उन्होंने कई वर्षों से अपना वज़न 70 किलो से नीचे रखा है। 34 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस अपने से कम उम्र के खिलाड़ियों से बेहतर है।

वो एक दौर में घनघोर भोजन भट्ट हुआ करते थे। वो तब उन सभी चीजों को खाते थे, जो खिलाड़ियों को वर्जित होती हैं। अब वो एक दिन भी व्यायाम नहीं छोड़ते। विराट कोहली को करीब से जानने वाले जानते हैं कि करीब 12 साल पहले उन्होंने अपनी फिटनेस को बहुत गंभीरता से लेना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपनी जिम ट्रेनिंग और खाने की आदतों को पूरी तरह से बदला। उन्होंने अपने को तीनों फॉर्मेट में खेलने के लिए तैयार किया। हालांकि वो अब क्रिकेट के दो प्रारूपों क्रमश: टेस्ट मैच और एकदिवसीय मैच ही खेलेंगे। यानी वो आने वाले कुछ सालों तक देश को आनंद और गौरव के लम्हें प्रदान करते रहेंगे।

नजरिया

विनम्रता से जग जीता, अहंकार से लंका ढही

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे-धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी, साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी-छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है।

विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई-नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है।

विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए-नए समाधान भी निकलता है।

महात्मा गांधीजी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है।

महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज, देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

विचार

शिक्षा व विज्ञान से अंधविश्वास मिटाने वाले वैज्ञानिक डॉ. दौलतसिंह कोठारी

डॉ. दिलीप धींग

मोबाइल : 9952048107

भारतीय रक्षाविज्ञान के शिल्पी विश्वविख्यात वैज्ञानिक डॉ. दौलतसिंह कोठारी ने जीवनपर्यन्त विज्ञान और अहिंसा के योग पर बल दिया। उनका व्यक्तित्व प्रतिभा, सादगी और निस्पृहता का त्रिवेणी संगम था। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के अनुसार भारत के पुनर्निर्माण में जिन महान वैज्ञानिकों की अमूल्य भूमिका रही, उनमें डी.एस. कोठारी, विक्रम साराभाई और होमी भाभा के अवदान ऐतिहासिक महत्व के हैं। उच्च नैतिक मूल्यों के अनुपालक डॉ. कोठारी महान वैज्ञानिक होने के साथ ही एक शिक्षाविद्, भारतीय भाषाओं के पैरोकार और आध्यात्मिक चिन्तक मनीषी थे। उनका मानना था कि मूल्यपरक शिक्षा और अहिंसामय विज्ञान के प्रसार से अंधविश्वास से मुक्ति पाई जा सकती है।

6 जुलाई 1906 को उदयपुर (राजस्थान) में एक जैन परिवार में जन्मे दौलतसिंह के पिता फतेहलाल कोठारी का मात्र 38 वर्ष की आयु में देहांत हो गया था। उनकी धर्मनिष्ठ माता लहरबाई ने उनको उच्च कोटि के संस्कार दिये। उन्होंने अपनी माता के गुणों तथा उपकारों को हमेशा याद रखा। दौलतसिंह जब केम्ब्रिज विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे थे तब वहाँ के प्रोफेसर अर्नेस्ट रदरफोर्ड उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति को लिखा था, मैं निःसंकोच कोठारी को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रोफेसर नियुक्त करना चाहता हूँ, लकिन यह युवक पढ़ाई पूरी करके तुरन्त अपने देश लौट जाना चाहता है।

यह डॉ. कोठारी का अथाह देशप्रेम ही था कि उनकी योग्यता का लाभ भारत को मिला। उन्होंने जो भी कार्य किया, उसे पूर्ण लगन, मेहनत और ईमानदरी के साथ किया। दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी आयोग), रक्षा मंत्रालय, रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, वैज्ञानिक व तकनीकी शब्दावली आयोग आदि जिस किसी संस्थान या निकाय से वे जुड़े, उसे उन्होंने अपनी निष्ठा, योग्यता और दूरदर्शिता से असीम ऊँचाई और गौरव प्रदान किया।

उनके प्रयत्नों से देशभर में अनेक वैज्ञानिक संस्थान और प्रयोगशालाएँ स्थापित हुईं। एक विज्ञान प्रयोगशाला के शुभारंभ पर डॉ. अल्बर्ट आइंस्टीन ने डॉ. कोठारी को प्रेषित शुभकामना सन्देश में लिखा- मैत्रीभाव बनाए रखें और बिना पूर्वाग्रह प्रेम के साथ कार्य करें। आप अपने कार्य में प्रसन्न और सफल होंगे।'' एक बार डॉ. कोठारी ने एक ऐसे स्थान पर भी प्रयोगशाला स्थापित की, जिसे लोग अभिशप्त और भूतहा घर कहते थे। लोग डर रहे थे कि कुछ अशुभ होगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ। डॉ. कोठारी के विश्वास की जीत हुई। विज्ञान की विजय हुई। तीर्थंकर महावीर के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को डॉ. कोठारी जीवन और व्यवहार में लागू करते थे। विज्ञान, रक्षाविज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में उनका अप्रतिम योगदान इसी सम्यक् दृष्टि की फलश्रुति था।

डॉ. कोठारी प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने मातृभाषाओं को रोजगार से जोड़ा। भाषा का भविष्य' पुस्तक में प्रेमपाल शर्मा ने लिखा है- गाँधी, लोहिया के बाद आजाद भारत में भारतीय भाषाओं की उन्नति के लिए जितना काम डॉ. कोठारी ने किया उतना किसी अन्य ने नहीं। यदि सिविल सेवाओं की परीक्षा में अपनी भाषाओं में लिखने की छूट न दी जाती तो गाँव, देहात के गरीब और आदिवासी लोग उच्च सेवाओं में कभी नहीं जा पाते। शिक्षा आयोग की सिफारिशों के महत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 1971 में यूनेस्को द्वारा डॉ. एडगर फाउर की अध्यक्षता में जब शिक्षा के विकास पर अंतरराष्ट्रीय आयोग का गठन किया गया, तब उन्होंने कोठारी आयोग की रिपोर्ट को ही आधार बनाया था. इस आयोग ने अगले दो दशकों तक दुनिया के विभिन्न देशों में शिक्षा के विकास पर कार्य किया.

रक्षा विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. कोठारी के अद्वितीय योगदान के कारण रक्षा-वैज्ञानिक डॉ. ए. नागरत्नम् ने भारत में 1948 से 1961 तक की अवधि को कोठारी युग' की संज्ञा दी। डॉ. प्रभाकर के अनुसार, विश्वविद्यालयों की तत्कालीन शान्त वातावरण की पृष्ठभूमि से सम्पन्न डॉ. कोठारी ने अपने मधुर स्वभाव और विनयशीलता से जल, थल और वायुसेना, तीनों के ही प्रमुखों के साथ अच्छा संवाद स्थापित कर लिया था। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी और तीनों सेनाध्यक्ष डॉ. कोठारी के विस्तृत ज्ञान से बेहद प्रभावित थे। भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के सदस्य मास्टर बलवंतसिंह महता के अनुसार भारत-पाक युद्ध में भारत की विजय में डॉ. कोठारी की रणनीति का भी बड़ा योगदान था।

अपरिग्रह के जीवन्त प्रतिमान डॉ. कोठारी ने जब दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली छोड़ा तो दो बेग और दो सूटकेस में उनका सारा सामान समा गया। उनकी दिनचर्या सधी हुई थी। वे प्रातः जल्दी उठकर माला फेरते, ध्यान और स्वाध्याय किया करते थे। सुबह नौ बजे तक मौन रखते थे। यदि कभी सुबह 6 बजे उन्हें प्रवास पर जाना होता तो वे और उनकी पत्नी साढ़े तीन बजे ही उठ जाते और सारे नित्य नियम पूरे करके ही घर से प्रस्थान करते थे। 4 फरवरी 1993 को जयपुर में भारत के महान सपूत डॉ. दौलतसिंह कोठारी महाप्रयाण कर गये। भारत सरकार ने उनकी निष्ठापूर्ण लोकसेवा के लिए उन्हें 1962 में पद्मभूषण और विज्ञान के क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए 1973 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया। 6 जुलाई 2011 को भारतीय डाक विभाग ने उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन 2023-24 में करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया तथा यह 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में एक और उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था। सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए सरकार अधिक अनुकूल व्यवस्था बनाने को प्रतिबद्ध है।

रक्षा मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, ''रक्षा मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार की नीतियों और पहलों के सफल कार्यान्वयन के आधार पर, 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि हासिल की है।'' इसमें कहा गया कि 2023-24 में वार्षिक रक्षा उत्पादन करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। बयान में कहा गया, सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू), रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और निजी कंपनियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश में रक्षा उत्पादन का मूल्य रिकॉर्ड स्तर अर्थात 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह गत वित्त वर्ष के रक्षा उत्पादन की तुलना में 16.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

सिंह ने इस उपलब्धि के लिए रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों तथा रक्षा सामग्री बनाने वाले अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित भारतीय उद्योग व निजी उद्योग को बधाई दी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मेक इन इंडिया' कार्यक्रम हर साल नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सिंह ने 'एक्स' पर लिखा, भारत ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन के मूल्य में अभी तक की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की है। रक्षा उत्पादन 2023-24 में 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के उत्पादन के मूल्य से 16.8 प्रतिशत अधिक है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, 2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य (वीओपी) में से करीब 79.2 प्रतिशत योगदान डीपीएसयू/अन्य पीएसयू का और 20.8 प्रतिशत का योगदान निजी क्षेत्र का रहा।

बयान के अनुसार, आंकड़े दर्शाते हैं कि निरपेक्ष मूल्य के संदर्भ में डीपीएसयू/पीएसयू तथा निजी क्षेत्र दोनों ने रक्षा उत्पादन में स्थिर वृद्धि दर्ज की है। मंत्रालय ने कहा यह उपलब्धि पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लाए गए नीतिगत सुधारों और पहलों तथा व्यापार सुगमता की वजह से हासिल हुई है। बयान में कहा गया, स्वदेशीकरण के प्रयासों को निरंतर आधार पर आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक का सबसे अधिक वीओपी हासिल हुआ है। इसके अलावा बढ़ते रक्षा निर्यात ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन में समग्र वृद्धि में जबरदस्त योगदान दिया है। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात 32.5 प्रतिशत बढ़कर 21,083 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया। यह गत वित्त वर्ष में 15,920 करोड़ रुपये था। बयान के अनुसार, (2019-20 से) पिछले पांच वर्षों में रक्षा उत्पादन का मूल्य लगातार बढ़ रहा है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

जस्टिन बीबर भारत पहुंचे, अनंत-राधिका के 'प्री-वेडिंग' कार्यक्रम में देंगे प्रस्तुति

मुंबई/भाषा। 'बेबी', 2सॉरी', 'लव योरसेल्फ' जैसे गानों के लिए मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर शुक्रवार सुबह लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे। बीबर यहां अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के विवाह समारोहों के तहत होने वाले संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। बीबर इससे पहले 2017 में अपने पहले संगीत कार्यक्रम के लिए भारत आए थे। उन्हें शुक्रवार को स्थानीय पुलिस अधिकारियों और अपनी टीम के साथ मुंबई के कलीना हवाई अड्डे से बाहर निकलते देखा गया। दो बार 'ग्रैमी' पुरुस्कार प्राप्त कर चुके बीबर ने गुलाबी टी-शर्ट, स्वेटपैंट और लाल टोपी पहनी हुई थी। अटकलें हैं कि बीबर को इस प्रस्तुति के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संगीतकार एडेल, ड्रेक और लाना डेल रे भी शिरकत करेंगे। उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत और उद्योगपति वीरेन मर्चेंट की पुत्री राधिका 12 जुलाई को विवाह बंधन में बंधेंगे।

'कल्कि 2898 एडी' मिथक और वास्तविकता का मिश्रण : अमिताभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' को मिले प्यार के लिए शुक्रवार को प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया और हिंदू महाकाव्य महाभारत को आधुनिक समय के दर्शकों को ध्यान में रखकर पेश करने के लिए निर्देशक नाग अश्विन की प्रशंसा की। अमिताभ (81) ने इस विज्ञान कथा शैली पर आधारित बड़े बजट की फिल्म में अमर योद्धा अश्वत्थामा की भूमिका निभाई है, जिसके लिए उनकी काफी प्रशंसा हो रही है। 27 जून को दुनिया भर में रिलीज हुई इस फिल्म ने 700 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बच्चन ने 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने 'कल्कि 2898 एडी' को हाल ही में तीन बार देखा। उन्होंने कहा, यह अनुभव निरंतर बढ़ता रहता है... जब हर बार आप इस विशाल कल्पना को मूर्त रूप देने में निर्देशक द्वारा किए गए अथक प्रयासों को देखते हैं और उनकी प्रशंसा करते हैं, तथा इसे इस ढंग से प्रस्तुत करते हैं कि यह फिल्म ऐतिहासिक बन जाती है... यह फिल्म न केवल अपनी व्यावसायिक संभावनाओं के लिहाज से ऐतिहासिक है, बल्कि महाभारत की कथा को 6000 वर्षों के बाद आज के आधुनिक युग के हिसाब से पेश करने में निर्देशक के साहसिक' मूल्यों के लिहाज से भी ऐतिहासिक है। बच्चन ने कहा, हां, यह एक बहुत शानदार फिल्म है... लेकिन यह एक अनुभव भी है... मिथक और वास्तविकता के मिश्रण का अनुभव।

सुनक ने प्रधानमंत्री आवास के दिवाली उत्सवों को याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने शुक्रवार को कहा कि आम चुनाव में अपनी पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए वह कंजर्वेटिव पार्टी के नेता का पद छोड़ देंगे। इसके साथ ही सुनक ने उन दिवाली उत्सवों को याद किया जो उन्होंने भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री का आवास) पर अपने परिवार के साथ मनाए थे। सुनक (44) का कार्यकाल करीब 20 महीना रहा और प्रधानमंत्री के रूप में अपने विदाई भाषण में वह भावुक हो गए। उन्होंने मतदाताओं से माफी मांगी लेकिन जोर दिया कि उन्होंने बतौर प्रधानमंत्री पूरे समर्पण से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। उन्होंने पार्टी के सहयोगियों से भी माफी मांगी जो चुनाव में हार गए।

सुनक ने कहा, सबसे पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि मुझे खेद है। मैंने इस पद पर पूरी ईमानदारी से काम किया, लेकिन आपने स्पष्ट संकेत दे दिया कि ब्रिटेन की सरकार को बदलना होगा। इस दौरान सुनक की पत्नी अक्षता मूर्ति भी मौजूद थीं। उन्होंने कहा, ''आपका फैसला ही मायने रखता है। मैंने आपका गुस्सा, आपकी निराशा सुनी है, और मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं... इस नतीजे के बाद, मैं पार्टी नेता का पद छोड़ दूंगा, तुरंत नहीं, मेरे उत्तराधिकारी के चयन की औपचारिकता पूरी होने के बाद।'' निवर्तमान प्रधानमंत्री ने संसद में नए विपक्ष की अहम भूमिका संभालने के लिए अपनी कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर आवश्यक फेरबदल पर जोर दिया।

सुनक ने अपने कार्यकाल के दौरान अपनी कुछ प्रमुख उपलब्धियों की भी चर्चा की जिनमें महंगाई में गिरावट और ब्रिटेन को मजबूत और अधिक सुरक्षित बनाना शामिल है। उन्होंने अपने उत्तराधिकारी का स्वागत किया और कहा, सर कीर स्टार्मर मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे हैं, वह जल्दी ही हमारे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। इस पद पर, उनकी सफलताएं हम सभी की सफलताएं होंगी, और मैं उन्हें और उनके परिवार को शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने अपने भाषण का समापन अपनी पत्नी और बच्चों के साथ ही अपनी टीम के प्रति आभार जताते हुए किया, जिन्होंने त्याग किया और वह देश की सेवा कर सके। सुनक ने कहा, ब्रिटेन के बारे में सबसे उल्लेखनीय चीजों में से एक यह है कि यह कितना असाधारण है कि मेरे दादा-दादी बहुत कम जमा पूंजी के साथ यहां आए और दो पीढ़ियों बाद मैं प्रधानमंत्री बन सका... और मैं अपनी दो छोटी बेटियों को डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों पर दिवाली की मोमबत्तियां जलाते हुए देख सका।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री स्टार्मर ने देश के पुनर्निर्माण का वादा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में कीर स्टार्मर ने शुक्रवार को अपने पहले भाषण में आम चुनाव में लेबर पार्टी की भारी जीत के बाद देश के हृदय में निराशा को ठीक करने और राष्ट्र के पुनर्निर्माण का वादा किया। आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टार्मर ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, हमारा काम अत्यावश्यक है और हम इसे आज से ही शुरू कर रहे हैं। देश के पहले एशियाई प्रधानमंत्री बनने के लिए पूर्ववर्ती ऋषि सुनक द्वारा किए गए अतिरिक्त प्रयास को स्टार्मर (61) ने मान्यता दी।

ब्रिटेन के आम चुनाव के तहत बृहस्पतिवार को मतदान हुआ था। लेबर पार्टी को 200 से अधिक सीट की बढ़त के साथ भारी जीत दिलाने के बाद स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री बने और उन्होंने ऋषि सुनक की जगह ली। स्टार्मर ने सरकार बनाने के लिए एक समारोह में महाराजा चार्ल्स तृतीय की अनुमति प्राप्त की।

इससे पहले, 44 वर्षीय ऋषि सुनक ने महाराजा से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। स्टार्मर ने कहा कि देश ने

परिवर्तन के लिए और सार्वजनिक सेवा में राजनीति की वापसी के लिए निर्णायक रूप से मतदान किया।

उन्होंने कहा, जब लोगों द्वारा किए गए त्याग और राजनीतिक नेताओं से प्राप्त सेवा के बीच अंतर काफी बढ़ जाता है, तो इससे राष्ट्र के हृदय में निराशा उत्पन्न हो जाता है, आशा, भावना, बेहतर भविष्य में विश्वास खत्म हो जाता है। हमें एक साथ आगे बढ़ने की जरूरत है। स्टार्मर ने कहा कि यह घाव, केवल कार्रवाई से ठीक किया जा सकता है, शब्दों से नहीं।

उन्होंने कहा कि वह इस साधारण स्वीकारोक्ति के साथ तुरंत काम शुरू करने का इरादा रखते हैं कि सार्वजनिक सेवा एक विशेषाधिकार है और इस सरकार को इस देश में हर एक व्यक्ति के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। स्टार्मर ने देश के बनुयादी ढांचे का पुनर्निर्माण करने का वादा किया।

उन्होंने कहा, आपने हमें स्पष्ट जनादेश दिया है और हम इसका उपयोग बदलाव लाने तथा अपने देश को एकजुट करने के लिए करेंगे। स्टार्मर ने कहा कि दुनिया काफी अस्थिर है और किसी देश को बदलना स्विच दबाने जैसा नहीं है। इसमें थोड़ा समय लगेगा।

स्टार्मर ने भीड़ से कहा कि बहुत लंबे समय तक आंखें मूंद ली गईं जिससे लाखों लोग अधिक असुरक्षा में डूब गए हैं। उन्होंने कहा, मैं सम्मान और विनम्रता के साथ आप सभी को राष्ट्रीय नवीनीकरण के मिशन में सेवा भाव वाली इस सरकार में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं। स्टार्मर ने कहा, ''मेरी सरकार आपकी सेवा करेगी, राजनीति जनकल्याण के लिए शक्ति बन सकती है।''

ब्रिटेन के आम चुनाव में बड़ी संख्या में चुने गए भारतीय मूल के सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के आम चुनाव में भारतीय मूल के लगभग 26 सांसद वहां की संसद के निचले सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' के लिए चुने गए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को घोषित परिणामों के अनुसार है।

निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यॉर्कशायर में रिचमंड और नॉर्थलेर्टन निर्वाचन क्षेत्र में निर्णायक जीत के साथ ब्रिटिश भारतीयों की जीत का नेतृत्व किया है। यह टोरी नेता के लिए थोड़ी राहत की बात होगी, जिन्होंने लेबर पार्टी की शानदार जीत के दौरान अपनी पार्टी को 200 से अधिक सीटों पर हारते देखा है।

सुनक ने एक संदेश में कहा, इस मुश्किल समय में मैं रिचमंड और नॉर्थलेर्टन निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने मुझे लगातार समर्थन दिया है। एक दशक पहले जब मैं यहां आया था तब से आपने मुझे और मेरे परिवार को घर जैसा महसूस कराया है और मैं आने वाले वर्षों में आपकी सेवा करने के लिए उत्सुक हूं। अपनी सीट फिर से जीतने वाले अन्य प्रमुख ब्रिटिश भारतीय टोरी नेताओं में पूर्व गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन और प्रीति पटेल शामिल हैं। गगन महिंद्रा ने कंजर्वेटिव पार्टी के लिए अपनी साउथ वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट पर जीत हासिल की। वहीं शिवानी राजा ने लीसेस्टर ईस्ट निर्वाचन क्षेत्र में विजय प्राप्त की। वह यहां से भारतीय मूल के लेबर उम्मीदवार राजेश अग्रवाल के खिलाफ चुनाव मैदान में थीं। चुनाव परिणामों से पता चलता है कि लेबर पार्टी में सबसे अधिक संख्या में भारतीय प्रवासी उम्मीदवार विजयी हुए हैं। वरिष्ठ पार्टी नेता सीमा मल्होत्रा अपने फेलथम और हेस्टन निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े अंतर से जीत गई हैं। पूर्व सांसद कीथ वाज की बहन और गोवा मूल की वालेरी वाज वाल्सॉल और ब्लॉक्सविच में विजयी हुई हैं। लीजा नंदी को विगान में सफलता मिली है। लिबरल डेमोक्रेट्स ने 60 से अधिक सीट हासिल करके सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। इनमें भारतीय मूल की मुनीरा विल्सन को ट्विकेनहैम निर्वाचन क्षेत्र से फिर से जीत हासिल हुई है।

अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी फिल्म 'अल्फा' में आएंगी नजर

नई दिल्ली/भाषा। हिंदी सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी यशराज फिल्म्स की अगली फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में दोनों सुपर एजेंट की भूमिका निभाएंगी। फिल्म निर्माता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। निर्माता वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स' की यह पहली महिला प्रधान फिल्म होगी और इसका निर्देशन शिव रवैल करेंगे। रवैल इससे पहले नेटफ्लिक्स पर आई सीरीज द रेलवे मैन' के निर्देशन के लिए सराहे जा चुके हैं। 'अल्फा' फिल्म में कलाकार दर्शकों को जासूसी की दुनिया में लेकर जाएंगे।

फिल्म का नाम जारी करने से संबंधी वीडियो में आलिया भट्ट यह कहते हुए नजर आ रही हैं, ''यूनानी वर्णमाला का सबसे पहला अक्षर। और हमारे प्रोग्राम का आदर्श वाक्य.. सबसे पहले, सबसे तेज़, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है। और जंगल में हमेशा राज करेगा.. अल्फा!'' 'वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स' की शुरुआत 2012 में सलमान खान और कैटरीना कैफ की फिल्म 'एक था टाइगर' से हुई थी। इस फिल्म की सफलता के बाद 'टाइगर जिंदा है' (2017) और 'टाइगर 3' (2023)फिल्म आईं।

तुम्हारी मां के हाथ का चूरमा खाना है, प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज चोपड़ा से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज चोपड़ा से मजाकिया अंदाज में कहा कि उसने अभी तक चूरमा भेजा नहीं जिस पर ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भालाफेंक स्टार ने इस बार उन्हें चूरमा खिलाने का वादा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस महीने के आखिर में हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिये जा रहे खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और आनलाइन बातचीत के दौरान नीरज से चूरमे की फरमाइश की तो एथलीट प्रियंका गोस्वामी से पूछा कि वह ओलंपिक में अपने बालकृष्ण को साथ ले जा रही है या नहीं।

आनलाइन बातचीत में जुड़े नीरज से चुटकी लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''चूरमा आया नहीं तेरा अभी तक।'' इस पर सकुचाते हुए नीरज ने कहा, ''सर चूरमा लेकर आयेंगे इस बार। पिछली बार दिल्ली में चीनी वाला चूरमा था लेकिन आपको हरियाणा का देसी घी और गुड़ का चूरमा खिलायेंगे।'' प्रधानमंत्री ने इस पर कहा, ''मुझे तो तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है।'' पिछली बार तोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए मोदी ने अपने आवास पर चोपड़ा को चूरमा और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू आइसक्रीम खिलाई थी।

रियो ओलंपिक में रजत और तोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू ने कहा कि यह उनका तीसरा ओलंपिक है और रजत तथा कांस्य जीतने के बाद अब मकसद पदक का रंग बदलना है। उन्होंने कहा, ''इस बार काफी अनुभव के साथ जा रही हूं और बेहतर पदक लेकर लौटूंगी। नये खिलाड़ियों से इतना कहूंगी कि दबाव नहीं लें और खुद

पर विश्वास रखते हुए फोकस करें।'' स्विटजरलैंड में अभ्यास कर रही पैदलचाल खिलाड़ी प्रियंका गोस्वामी से प्रधानमंत्री ने पूछा कि इस बार भी बालकृष्ण को लेकर जा रही हो ना। इस पर गोस्वामी ने कहा , जी हां। यह उनका भी दूसरा ओलंपिक है।'' गोस्वामी ने राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदलचाल में रजत पदक जीतने के बाद पदक लेते समय हाथ में लड्डू गोपाल की मूर्ति ले रखी थी और अपना पदक भी उन्हें समर्पित किया था। प्रियंका ने तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर मोदी को बधाई दी तो खिलाड़ियों ने तालियां बजाकर इसका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने नीरज चोपड़ा को स्वस्थ रहने और चोट से बचने के लिये शुभकामना दी। इससे पहले नीरज ने कहा , इस साल बहुत कम टूर्नामेंट खेला हूं क्योंकि बीच में चोट लग गई थी। अभ्यास बहुत बढिया चल रहा है और कोशिश करेंगे कि देश के लिये शत प्रतिशत दें। तोक्यो मेरा पहला ओलंपिक था जिसके स्वर्ण जीता और उसका कारण यह था कि मन में डर नहीं था और अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा था। उन्होंने कहा, ''मैं सभी खिलाड़ियों से यही कहूंगा कि किसी से डरे बिना अपना सर्वश्रेष्ठ दें। हम घर से दूर रहकर इतनी मेहनत कर रहे हैं तो किसी को भी हरा सकते हैं।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''आपने बहुत उपयोगी जानकारी दी। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहे, कोई नई चोट नहीं लगे।'' इस मौके पर पुरूष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हॉकी का इतिहास काफी गौरवमयी रहा है और कोशिश बहुत अच्छी चल रही है कि तोक्यो के बाद फिर पदक लेकर आये। सुविधायें बहुत अच्छी मिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा, ''सबसे ज्यादा दबाव हॉकी खिलाड़ियों पर रहता है क्योंकि देश का बच्चा बच्चा सोचता है कि यह हमारा खेल है और इसमें हम कैसे हार रहे हैं। इसमें मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है लेकिन हमें यकीं है कि आप जीतकर आयेंगे।'' पहली बार जाने वाली निशानेबाज रमिता जिंदल से उनके अनुभव के बारे में पूछा। यह भी पूछा कि उनकी ट्रेनिंग कहां हुई या परिवार में कोई और खेल से जुड़ा है या नहीं। पहलवान अंतिम पंघाल ने भी कहा कि वह कुश्ती में पदक जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। भारतीय दल की सबसे युवा सदस्य चौदह साल की तैराक धिनिधि देसिंघु ने भी प्रधानमंत्री से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का वादा किया। चौथी बार जा ओलंपिक जा रही तीरंदाज दीपिका कुमारी से उन्होंने पूछा कि पहली बार ओलंपिक खेलने वालों को क्या संदेश देंगी। उन्होंने यह भी पूछा कि तीन बार में बहुत कुछ सीखा होगा तो इस बार तैयारी के लिये क्या नया सीखा या रूटीन तैयारी के साथ ही जा रही हैं। मुक्केबाज निकहत जरीन ने कहा कि पहला ओलंपिक है और देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहती है। खेलो इंडिया से निकले खिलाड़ियों निशानेबाज सिफत कौर और मनु भाकर ने भी अपने अनुभव साझा किये।

ए.आर. रहमान ने अपना वंदे मातरम' गीत गाते भारतीय क्रिकेटरों की वीडियो साझा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संगीतकार ए. आर. रहमान ने शुक्रवार को, वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह में वंदे मातरम गीत गाते टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों की वीडियो साझा की, जिसका संगीत रहमान ने तैयार किया था। कप्तान रोहित शर्मा की टीम ने बृहस्पतिवार शाम मुंबई में विजयी जुलूस निकाला और ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में डांस किया। भारतीय टीम 2007 के बाद पहली बार टी-20 विश्वकप जीती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने स्टेडियम में वंदे मातरम गीत गा रहे शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमरा की एक वीडियो साझा की। लगभग 41 सेकंड की इस वीडियो में क्रिकेटरों को दर्शकों को अपने साथ गीतकार महबूब का लिखा 1997 का यह गीत गाने के लिए कहते हुए देखा जा सकता है।

रहमान ने 'एक्स' पर वीडियो साझा करते हुए टीम को बधाई दी। यह गीत 1997 में भारत की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती यानी पचास साल पूरे होने के मौके पर रिलीज किया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | शनिवार | 06-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

कोई साधु अगर कोई गलती करता है तो उसका उपचार मार-पीट, गली-गलौज, हिंसा या समाज में उसकी बदनामी करना कतई नहीं है। वो बदनामी दरअसल गलती करने वाले साधु की नहीं, समग्र समाज की होगी। इसलिए किसी भी साधु वेषधारी के साथ गलत तरीके से पेश आना अपराध की श्रेणी में ही माना जायेगा। सोशल मीडिया पर साधु-संतों की बदनामी से न व्यक्ति बदलेगा और ना ही सामाजिक परिवर्तन होगा।

हाई लाइफ प्रदर्शनी में आगाज के साथ ही छाई खूब रौनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई लाइफ प्रदर्शनी में आगाज के साथ ही खूब रौनक छाई हुई है। द ललित अशोक में शुरू हुई यह प्रदर्शनी रविवार तक जारी रहेगी। फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ ट्रेंडसेटिंग फैशन कलेक्शन लेकर आई है। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। आयोजकों ने बताया कि लोग नए सीज़न की शुरुआत अपने पसंदीदा फैशन शोकेस हाई लाइफ के साथ कर रहे हैं। प्रदर्शनी में नए फैशन कलेक्शन को लेकर लोगों में काफी आकर्षण है।

प्रदर्शनी में डिज़ाइनर परिधान, आभूषण, दुल्हन के परिधान, फैशन एक्सेसरीज़ और बहुत सारे शानदार प्रॉडक्ट्स हैं। इसक अलावा यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध हैं।

मंत्र जप से मिलती है अलौकिक शक्ति : साध्वी उदितयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद एवं महिला मंडल गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 'ॐ ह्रीं नमः जप' का सजोड़े आध्यात्मिक अनुष्ठान शांतिनगर हेरीटेज अपार्टमेंट में कराया गया। साध्वी उदितयशाजी ने जप के महत्व और उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

साध्वी भव्ययशाजी ने पिरामिड के आकार का निर्माण कराकर साधकों को ॐ ह्रीं नमः के सुदृढ़ कवच बनाने की विधि बताई। साध्वी उदितयशाजी ने शास्त्रों के तथा गुरु गम्य ज्ञान के आधार पर मन्त्र विधि के कई रहस्य प्रकट किये। उन्होंने बडे ही रोचक तरीके से ह्रीं में 24 तीर्थकरों का समावेश के बारे में बताया। जितेंद्र घोषल ने साध्वी वृन्द के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस मौके पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, महिला मंडल गॉधीनगर अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष विमल धारीवाल सहित लगभग 91 जोडों सहित कुल 250 साधकों की उपस्थिती रही।

एक अन्य कार्यक्रम में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 105 वें जन्म दिवस के अवसर पर धम्म जागरण का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गायक मंडलियों द्वारा श्रद्धा स्वरों की प्रस्तुतियां दी। प्रज्ञा संगीत सुधा, प्रेक्षा संगीत सुधा व युवा गायक कलाकार मनीष पगारिया, गुलाब बाँठिया, देवेंद्र नाहटा व कंचनदेवी कुंडलिया ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

सिवांची मालानी तेरापंथ संगठन का 'साखियों का संगम' कार्यक्रम सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सिवांची मालानी तेरापंथ महिला संगठन द्वारा चामराजपेट 'सखियों का संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अध्यक्षा सरस्वती बाफना ने सभी का स्वागत करते हुए अपने लक्ष्य के लिए एक कदम आगे बढ़ाएं, टाल मटोल ना करें, समय सीमा तय करें, इस समय में हमें अपने लक्ष्य को पूरा करना है, लक्ष्य तक पहुंचने तक ना रुकेतथा हमेशा पॉजिटिव रहने की प्रेरणा दी। चयनीत सदस्याओं का सम्मान किया गया। मोटिवेशनल स्पीकर भावना कोठरी ने कहा कि हमें खुद के बारे में ध्यान रखना है। अपने बिजी समय को इजी बनाते हुए हम खुद को अपने लक्ष्य तक ले जाएं। घर परिवार का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है मगर खुद के लिए समय निकालें। कार्यक्रम का संचालन राजुल चोपड़ा एवं प्रतीक्षा जैन ने किया। आगामी दो वर्ष के कार्यकाल के लिए नए अध्यक्ष के रुप में संगीता तातेड़ के नाम की घोषणा हुई। कार्यक्रम में प्रायोजकों का सम्मान किया गया। मंत्री संगीता तातेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

एवेन्यू रोड मंदिर पर गुरुदेव राजेंद्रसूरीश्वर की हुई विशेष आरती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एवेन्यू रोड स्थित मुनिसुव्रत राजेन्द्र जैन श्वेताम्बर मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान मे गुरुदेव आचार्य राजेंद्रसूरीश्वरजी महाराज की विशेष आरती श्रद्धापूर्वक की गई।प्रभु आरती व प्रभावना के लाभार्थी पानीदेवी खीमचंदजी कंकुचौपड़ा ने आरती की।

गौतमस्वामी की आरती के लाभार्थी सुमटीदेवी तगराज हिराणी, गुरुदेव आचार्य राजेन्द्रसूरीश्वरजी एवं आचार्य जयंतसेनसूरीश्वरजी की आरती का लाभ मुकेशकुमार तिलोकचंदजी बोहरा ने लिया। प्रकाश हिराणी ने बताया कि गुरुदेव आचार्य राजेंद्रसूरीश्वरजी के वर्ष 2027 में उनके जन्म के दो सौ वर्ष पूर्ण हो रहे है।

मरुधरा वुमेन्स लीग बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिलाओं ने दिखाई प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मरुधरा जैन संघ व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मरुधरा वुमेन्स लीग बैडमिंटन टूर्नामेंट में 46 महिलाओं ने हिस्सा लिया। संघ के अध्यक्ष डूंगर पारेख एवं मंत्री विनोद भुरट की उपस्थिति में ट्रॉफी प्रायोजक विनोद जैन ने विजेता टीम व अन्य को ट्रॉफी प्रदान की।

36 वर्ष की उम्र वर्ग में निशा संचेती विजेता व सोनिया कातरेला उपविजेता रही। जूनियर एकल वर्ग में लिप्पि जीरावाला विजेता एवं समता मोदी उपविजेता रही। डबल वर्क में

निशा संचेती एवं निकिता जैन विजेता व मल्लिका कातरेला व नीता सालेचा उपविजेता रही। प्रोजेक्ट निर्देशिका राजुल संचेती, प्रोजेक्ट संयोजिका ललिता सालेचा, अध्यक्षा हेमा मकाना, तारा मोदी, आशा सालेचा, सहमंत्री ममता विनायकिया व सलाहकार दया जैन आदि ने व्यवस्था संभाली।

बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी दादावाड़ी में साध्वी प्रियस्वर्णांजनाश्री का चातुर्मास प्रवेश कल

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार 7 जुलाई को दादावाड़ी आराधना भवन में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी व सुलक्षणाश्रीजी के शिष्या साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी आदि का चातुर्मास प्रवेश होगा। इस मौके पर आचार्यश्री मणिप्रभसूरीश्वरजी के शिष्य मुनिश्री मलयप्रभसागरजी की उपस्थिति रहेगी।

इस मौके पर रविवार को सुबह 9 बजे संभवनाथ जैन मंदिर वीवी पुरम से शोभायात्रा के साथ संतों का सामैया निकलेगा तथा सुबह 10.15 बजे मंदिर में चातुर्मास प्रवेश होगा। प्रवेश के पश्चात प्रवचन व स्वामीवात्सल्य का आयोजन होगा। नीलम-प्रकाश पारख परिवार के सौजन्य से स्वामीवात्सल्य होगा। अध्यक्ष तेजराज मालानी व सचिव कुशलराज गुलेच्छा ने सभी गुरुभक्तों को चातुर्मास प्रवेश कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

देवासी राईका समाज ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के देवासी (राईका) समाज ट्रस्ट कर्नाटक की नई कार्यकारिणी समिति का गठन मागड़ी रोड स्थित देवासी समाज भवन में किया गया। आयोजित ट्रस्टियों की साधारण सभा में सर्वसमति से चुनाव किया गया। जिसमें अध्यक्ष गुमानराम नांगु, उपाध्यक्ष डूँगरराम आँडू, सचिव कानाराम गांगल, सहसचिव देवाराम पेवाला, कोषाध्यक्ष दुर्गाराम लुंका, स कोषाध्यक्ष घासीराम सामड को चुना गया।

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सचिव रविन्द्र बम्बोली, संयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान व संयुक्त सचिव सैंकी जैन ने राज्य के राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर उन्हें 16 से 18 जुलाई तक आयोजित तीन दिवसीय ट्रेड फेयर में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

बेंगलूरु के मंजुनाथनगर क्षेत्र में
चातुर्मासिक मंगल प्रवेश प्रसंगे
सस्नेह आत्मिक आमंत्रण
चातुर्मास मंगल प्रवेश : दि 07.07.2024, रविवार

जय महावीर, सादर जय जिनेन्द्र। आप सभी को आमंत्रित करते हुए हर्ष की अनुभूति हो रही है कि जैन दिवाकर प्रसिद्ध वक्ता पंडित रत्न प.पू. गुरुदेव श्री चौथमलजी म.सा. के प्रपौत्र शिष्य जैन दिवाकर रत्न तरुण तपस्वी प.पू. गुरुदेव श्री विमलमुनिजी म.सा. के सुशिष्य स्वर्ण संयम आराधक, सरस वाणी भूषण, सेवा शिरोमणि, सेवा चक्रवती, जिनशासन प्रभावक **प.पू. गुरुदेव श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा.** का वर्ष 2024 का मंगलमय आराधना से पूर्ण चातुर्मास श्री सकल जैन संघ के तत्वावधान में श्री जैन भवन में होने जा रहा है। अत: आप सभी महानुभाव पधारकर प्रवचन, दर्शन एवं वंदन का लाभ लिरावें।

पावन उपस्थिति
जन जन के आस्था के केन्द्र
मुनिश्री राजपद्मसागरजी म.सा. आदि ठाणा 2
महासती श्री विपुलदर्शनाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा 6
मुनिश्री बसंतमुनिजी आदि ठाणा

चातुर्मास मंगल प्रवेश कार्यक्रम : दि. 07.07.2024, रविवार
प्रात: 7.30 बजे : अल्पाहार (लाभार्थी श्री सुवालालजी महावीरकुमारजी कोठारी परिवार)
शोभायात्रा : प्रात: 8.30 बजे, नं. 8/3, तीसरा बी मैन रोड, सेकेन्ड फेज, मंजूनाथनगर, बेंगलूरु से प्रारंभ
चातुर्मास मंगल प्रवेश 9.01 बजे, महामांगलिक : प्रात: 11.31 बजे
मुख्य उपस्थिति : श्री लहरसिंहजी सिरोया, राज्यसभा सांसद
श्री तेजस्वी सूर्या, सांसद बेंगलूरु दक्षिण, श्री पी.सी. मोहन, सांसद, बेंगलूरु सेन्ट्रल
श्री सुरेशकुमार, विधायक, राजाजीनगर, श्री गौतम मकाणा, पूर्व महापौर, बेंगलूरु
महामांगलिक के पश्चात गौतम प्रसादी की व्यवस्था रखी गई है।
गौतमप्रसादी लाभार्थी : संघवी श्री ओमप्रकाशजी, माणकचन्दजी, उत्तमचन्दजी सीए. नरेन्द्रकुमारजी, प्रकाशचन्दजी, गौतमचन्दजी, दिलीपकुमारजी, सीए पंकजकुमारजी अंकितकुमारजी आच्छा परिवार, (मरुधर में बिलावास) मंजूनाथनगर, बेंगलूरु
कार्यक्रम स्थल : श्री सिद्धगंगा सामूहिक भवन
14, 1st Main Road, 8th Cross, shivnagar, Bangalore -10
चातुर्मास स्थल : श्री जैन भवन, उत्तम अंकित विला
नं. 102, 5वां मैन रोड, मंजूनाथनगर, बेंगलूरु
निवेदक : श्री सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर, शिवनगर, बेंगलूरु (2020)
संघवी उत्तमचन्द आच्छा अध्यक्ष
विनोदकुमार मेड़तवाल उपाध्यक्ष
राकेशकुमार दलाल मंत्री
सुरेशकुमार बाघमार सहमंत्री
रेखराज सांड बोहरा कोषाध्यक्ष
अंकित आच्छा प्रचार मंत्री
सम्पर्क सूत्र : 9844310145, 9740731059
सौजन्य : संघवी उत्तमचन्द अंकितकुमार आच्छा
नरेंद्रा बैंकर्स एवं आच्छा ज्वेलर्स, मंजूनाथनगर, बैंगलोर - 10

संतुलित जीवन शैली की प्रेरणा देता है आचार्य महाप्रज्ञ का जीवन : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के 105वें जन्मदिवस का कार्यक्रम विजयनगर स्थित प्रेमरोशन सभागार में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में मनाया गया। साध्वीश्री ने महात्मा महाप्रज्ञ के जीवन आधारित विस्मयकारी घटनाओं के माध्यम से संतुलित जीवन जीने के महनीय सूत्रों का विवेचन किया।

साध्वीश्री ने आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी के जीवनकाल की महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में संपूर्ण श्रावक-श्राविकाओं समाज को बताया। उन्होंने कहा कि जैनाचार्य महाप्रज्ञजी अध्यात्म के शिखर पुरुष थे, आचार्य तुलसी के पट्टधर थे। आचार्यश्री ने तेरापंथ धर्म संघ एवं मानव मात्र के मानसिक उत्थान एवं शारीरिक विकास के लिए प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान जैसे सोपान दिए। महाप्रज्ञ जी रोजाना एक माला के प्रत्येक मोती पर गहरे लंबे श्वास पर नमस्कार महामंत्र का ध्यान करते, आपने संतुलित आहार पर ज्यादा जोर दिया।

साध्वीश्री मल्ययशाजी, आस्थाप्रभाजी, दीक्षाप्रभाजी ने शब्द चित्रण के माध्यम से आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा प्रदत्त अवदानों को पिकनिक के कथानक के माध्यम से प्रेक्षा ध्यान ,जीवन विज्ञान, लाइब्रेरी, जैन विश्व भारती, सरदारशहर आदि की मनमोहक सैर कराई। प्रेक्षा फाउंडेशन से छत्तरसिंह मालू ने मंगलाचरण किया। अभातेयुप के प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा, विजयनगर तेरापंथ सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, उपाध्यक्षा सुमित्रा बरडिया ने अपनी भावाव्यक्ति दी। कन्या मंडल संयोजिका ध्वनि गन्ना एवं टीम ने गीतिका की प्रस्तुति दी। तेयुप पूर्व अध्यक्ष राकेशपोखरणा ने साध्वी वृंद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

॥ श्री वासुपूज्यस्वामिने नमः ॥
॥ श्री प्रेम-भुवनभानु-पद्म-जयघोष-राजेन्द्र-जगच्चन्द्र-अभयचन्द्र सूरिभ्यो नमः ॥
श्री वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
अक्कीपेट, बेंगलूरु के तत्वावधान में
आनंद के अभ्युदय, आत्म कल्याणकारी
चातुर्मास प्रवेश
पर पधारने हेतु सकल श्री संघ को भावसभर आमंत्रणम्
शुभ दिन
आषाढ सुद २
रविवार
07
जुलाई 2024
:: शुभ आज्ञा ::
पूज्यपाद प्रशांतमूर्ति सुविशाल गच्छाधिपति आचार्यदेवेश
श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा
:: शुभाशीष ::
पूज्यपाद संघमैकलक्षी 96 वर्ष के वयस्थविर आचार्यदेवेश
श्रीमद्विजय जगच्चन्द्रसूरीश्वरजी महाराजा
पूज्यपाद संयमनिष्ठ गुरुदेव
श्रीमद्विजय अभयचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
:: चातुर्मासिक निश्रा प्रदाता ::
पूज्यपाद शासन प्रभावक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय हीरचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा.
पूज्यपाद दीर्घसंयमी मुनिराज श्री योगप्रेमविजयजी म.सा.,
पूज्यपाद प्रवचनकार पंन्यास श्री विमलपुण्यविजयजी म.सा. आदि ठाणा ११
तार्किक शिरोमणी श्रमणी गणनायक परम पूज्य आचार्यदेव श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा.
की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका प.पू. साध्वी श्री पुण्यनिधि श्रीजी म.सा. की शिष्या
प.पू. साध्वी श्री गुर्वाज्ञानिधिश्रीजी म.सा. की शिष्या प.पू. साध्वी श्री करुणासिद्धिश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
:: चातुर्मासिक प्रवेश मांगलिक कार्यक्रम ::
प्रात: 8.30 बजे : चिकपेट सर्कल पर भव्य सामैया
प्रात: 9.30 बजे : जिनालय में आगमन, दर्शन, सामूहिक चैत्यवंदन
प्रात: 9.45 बजे : शुभ मुहूर्त में उपाश्रय में भव्य चातुर्मास प्रवेश, धर्म सभा, मांगलिक प्रवचन
मध्यान्ह 12.00 बजे : सकल श्री संघ का स्वामिवात्सल्य
उपरोक्त समस्त कार्यक्रम में सपरिवार, अधिक से अधिक संख्या में पधारकर शासन शोभा में अभिवृद्धि करावें ।
निवेदक : श्री वासुपूज्यस्वामी जैन श्वे.मू.पू. संघ - अक्कीपेट, बेंगलूरु फोन : 080-49895317

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com